

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
शिवः शम्भुः परमेश्वरः  
सर्वेश्वरः सर्वभूतेश्वरः  
सर्वकर्मात्मकः सर्वज्ञः  
सर्वशक्तिमान् सर्वभूतहितः  
सर्वसुखदायकः सर्वसौख्यदायकः  
सर्वसन्तोषदायकः सर्वसन्तुष्टिदायकः  
सर्वसन्तानदायकः सर्वसन्तानदायकः  
सर्वसन्तानदायकः सर्वसन्तानदायकः  
सर्वसन्तानदायकः सर्वसन्तानदायकः  
सर्वसन्तानदायकः सर्वसन्तानदायकः

४४



दधुभिः श्रीगुरुवे सितये नमः ॥ ॥  
 ति उदुगं दधु उभम दि सुभान नवदि  
 नी पति प्रल एय डे क रवी मि सुभ  
 मद्रिक ॥ प्रहर्षिते भित्तु ठि वरु  
 रुजि म लि ठिः दृक रे मि भन क्री  
 भद्रु ठि सुठ उः भुजीः ॥ रं सु र भु  
 ठि सु क रे व द्रु ठि यानः श्री भद्रु ल मे  
 व म रे भद्रु र भ धू मि उ उ म द्रु उ भ  
 द्रु भ द्रु सु रः सुं उ पं उ म द्रु न प र भु भु म  
 डि ए न उ रि ए प्य द्रु य भद्रु फ से र ठ  
 डि भि र ए डि क भु डि भु डि नि म क  
 नि मि रु क क रे व र व र च व क म मि

३.  
 ६.  
 ०

उति उदुभिः सुलि ल द्रु श्री भद्रु मि  
 द्रु ए सु प म द्रु र म द्रु यं द्रु वे म य  
 उ श्री वि सु व द्रु भु विं म द्रु भे रः भ  
 दे दे दि उ न भ दि द्रु व भु पि उ व नि डि  
 किल सु य उ उ म द्रु नि भ द्रु क मि भि  
 इ लि भु क रे व भ मि द्रु व डि क म ये  
 प द्रु म नि भ भुं द्रु क मः ॥ भे द्रु ल  
 द्रु मि भ भुं म र भ भु म म य भु प र भ  
 सु र भ भ वे म भु व प र भे प म य उं म  
 ज यि उं प र भ म भु उ प वि ठि व उ द्रु  
 भ वि भु र उ ए न भु डि क म भुं भु र भ  
 द्रु ॥ ॥ डि न द्रु य उं न ए प उः भु द्रु

85



अविधिप्रचक्रभा। एवमेवमिवठ  
 मभुंभेठडिसालिनभा॥ यमेवमेव  
 भायीयेथंयंविनमिवठमःमिवअ  
 दुपअदुपअअउंठकेवमभवेसम  
 एमालिनंमपमभनंउउमडिपि  
 ऊठलकडुकलडिउंठऊएनंउभे  
 ठडिमभडुगवमभुषिउमिवठडुग  
 कठमठडिमभुडिभुपेनउमठिउमि  
 ववेसमभयठवभडडियवउ। एव  
 भवेउनेअमिउभलेकिरुअंम  
 जयडि। नएयउउडमिनभचअदि  
 एनएथपभुभापंएयएअअउपं

नियडकउमेवभूषडेठडिसालिन  
 भुउथयेमेवनिगकंभचकंमि  
 मभनअपंमिवडुअउपंभचमभु  
 गडि। मउएवकविधिप्रचक्रभिडि  
 विधीयउडडि। विधिडिहृष्टनमिअ  
 चःकउयउउमभुडभचविधीनं  
 मभुमिउडमभुमिउअउपंभुडथ  
 यडठवउ। उउमभवेसपनेवभू  
 डिठभूमनभुभापमअउ। यवेउं  
 मीप्रचमसे। नमउविफिउंकिडि  
 मिडमि। मकिडिमिउकभेडमि  
 गीउअधिभएवेहृमिकंएनए

३.  
 टी.  
 १

४५



पाहं प्रक सविभज भुपहं प्रएन  
 कवनामिभवे भद्रुकी उं ड डि भूपात्र  
 उवेवे के जी ॥ ० ॥ सुद्ध भभठव रुति  
 भुपा धान युव पिभना, लेकय इर ए  
 रगा इति उ विव प्रभरः ॥ के भ के सुव  
 भभा इ ए विठव रुति भुपा धाने न यु  
 व भभुते ए उ म फ से एः प्रक के पिभं  
 लेकय इ ये व र ए भ लेक सुव फ र प्र  
 वृ ह उ ये र ग ग उ प र ग भुते के उ दे नि  
 प लि उ नि ए र भू क र भु च भ र वि सु  
 य ड व, न उ व सु व उ न ठ डि भु पा धाने  
 न नि उ उ रु नी रु उ उ उ य म म उ रु

उ.  
 टी.  
 ३

सुप्रलि प्रभर उय भद्रु उं प लि उं भि  
 व रु सु भाने न उ रु नै भ न ग प्र रु य  
 डि, सु पि उ वि ने रु क भ र भ म भ रु र  
 भे व प्र भु डि, उ य ले क सु व फ र भे भे  
 डि उ य के य भ य सु न डि, प्र च ले के उ  
 भ उ प म ठ व रु व रु जी डि न भ रु  
 उ भे व डि क म भि यं भे उ म ये डि मी वि  
 सु व उ ए व भू भू रुः, व यं उ भ रु व ए  
 ने रु उः ॥ ३ ॥ ल व रु इ भ रु ठ डि  
 भ उं उ रु व भि न भा, भ रु रे ले क भ  
 ने पि भ उ ये व वि रु भू य ॥ ये म भ  
 वे म भ य भू म भु ठ डि य उ म उ व ल

४७



वृद्धभद्रमुद्रविश्वभद्रकुरुपुत्र  
 भद्रिउष्टीलमुभंलेकभानेपियभ  
 मुद्रैवदगःभद्रैवभभवेसभ  
 नभभद्रविष्टभुयविक्रमुद्रयभ  
 मुवरेव, मुभमयेनमुलेकिमुसिय  
 भुमुजभुमुदलनिवभिनभुभवेभ  
 कनीयभुमुविमुद्रिलभुमिउड  
 डिभभभेद्रगभयडि॥ ॥ डिभभ  
 मुवक्रयेनभभचभिमुवनाउरे किं  
 नठकिभउंकेइभद्रःकुभंनभिसुडि॥  
 ठकिभउंहाहाउउपठकिमलिनं  
 भचइउवनविमेभकिंनकेइंथरभि

३.  
 ए.  
 २

द्विभभुयभुनं, कुभंभननइ  
 यद्रैभभद्रःभिकुडि यडःभभमिडि  
 भभवेसभभु, नकभभइठव  
 क्रयभेवभचंउवनउरभेभभा॥ ॥  
 एयडिठकिपीप्रभभभवरैरुमः  
 मुद्रिडीय मुपिभभुद्रिडीय मुपि  
 भूठे॥ ठकिपीप्रभभभवर  
 उडुभंभनं उनेमुद्रकयउएयडि  
 भवेइकेवउउ, कीरुम मुद्रिडी  
 य मुभयगभुय मुपिद्रिडी  
 यः इभेवद्रिडीयमुद्रमुपेयभभा  
 मुभमद्रिडीय मुपिठकिभभवे

४७







कभंदिठेभ्रिडंशपेनरुसुमे मभा  
 वेमरुधुपिवभिडेदिभउउमडे: ठे  
 वठेयुपे मभाभवउभंभ्रिउडि  
 नीहभिवभयभेवविभ्रभीहडे, वेह्रि  
 ल'धनभ्रय'भह्रुम'भयभ्रमश्रः, उरु  
 जंम्रीधचम'भे भेदे'धयभनय'भभि  
 डि॥ ॥ म्रनड'नरुभरभीमेवीध्रिय  
 उभायम; म्रवियुज'भ्रिउउरुकेरुडरु  
 जिभ्रमुभा॥ उधभा'मेधेहु'परभेमभा  
 भ्रुभा'म'भे ठजि'पदे'मेवीहु'उभान'न  
 कइठल'कहु'विरदिउ, म्रधरइकीठ  
 दिमील'पदेवमजि: म्रधंठहु'म्रवियु  
 ज: भ्रुभिडि

३.  
 ८१.  
 ७

वजहेभभ'वियुज'भ्रुडिठजि'भ्रिउ  
 भ्रुभ'भ्रमर:भ्रु'मिड:॥ ॥ भचा  
 वठवल्'ठफेउठजि'भउंविठे, भंवि  
 म्रनेयभ'क्ररुड:पमेदे'भ्रिय'भ्रिउ:॥  
 ह्राएउभ्रु'भ्रुठि, मालिन'भयंक्ररु  
 रु:पमेदे'रुधल'क्रिडेलेकेय:भंवि  
 म्रनेगील'पीड'किरेय'पुध:पत्रु:भ्रि  
 उ:भचा'वइहु'भ्रिफेउ:वेह्रु'भेधन  
 निभह्र'नरु'भे'धरभेवेम'कहु'भिल  
 ठज॥ ॥ ठवहु'हु'भ्रुड'भ्रु'भ्रुडेय  
 भ्रु'भ्रु'भ्रु'धिय, म्रम'भ'भं'भ्रुडिभ्रु  
 भिव'भवे'भेव'मुज'उ॥ केभ्रु'भिन

४९







उद्दिष्टं नृपमात्रेण  
देवैर्नृपमात्रेण

लिनी, इमुडिभययभिजः उमुभारु  
फलभुमो॥ अलंभरकुभिः उभविभ  
गडंभसुडुमिभुभरः उमुभेठकुनम  
भावरमुंभयीं उमुभेठकुपडिलक  
लंढलंयभुः॥ ॥ मिवेकुडयएउ  
डिठजेकुडडिकसुउ, उभेवफिवधः  
भरंठजेरकुयमेपिउभा॥ मिवेकुड  
मिवेयएमिडियरभयेप्रसुउ, उउ  
मेकपउपरमिवउडियेभउउ, उभं  
भडिमेकमिवीठवरठवरकुएभन  
उउयपउः, उमुभुपमिवभभवेम  
ठडिमल्लेवयएनंएनगीडिउदुदभा

उ.  
ली.  
३

मनेनैवमयेनकडभेवयउःभरभ  
इभंरधःभुपं, मसुयेनठरुमकुम  
कुमउमडिनमेपिउंनिरुलीरुउंठ  
ऊंमिडि॥ ॥ ठऊनंठवरमकुउमिकु  
कनेयपउयः, उमुभिकुनिरुभुनंरु  
निरवरुनिर॥ उउएउनंठऊ  
नंठवरमकुयभयनयकःनयऊयः  
यउभऊरुमीदभाउपिमिवकु  
यउभनिरुभयिउभुठवरमिमुय  
मिवभुपमिडिंविननकनिमिडुमि  
डियुहु, ठऊनंभयनवेवपदवभ  
डि, निरुभुनंउठरुभयनंउमभि

२



कुमिव सुयभापन ठ वयक निन  
 वर निती कु उभय कु भूट पिमभा  
 वेसर भवि भू भू न ठि सु उ म सं गे उ  
 भान निभे फ व क र थ उ यि सु ए व ॥ ॥  
 क म मि डु पिल हे भि ये गे न डी स व  
 ए न, म ह स भ व क ह भ ठ भि ठ  
 डि भ डं क स भ ॥ क म मि डु भं मि डु  
 भा पि म स यं कु पि क म य म डु मे ये  
 गे न मि ड व डि नि ये न, रं स भ भि व  
 मि डं ल ह ड डे भ व ए न, म ह स भ भ  
 पि डु ड न सु ठि भ ड भ क ह भ क सं ठ डि  
 भ डं भू क स भ ॥ ॥ भू ट क र सु सं भ

भु वि मे भे भि भ क न य भ, ये गि हे ठ डि  
 ठ सं य सु ड न पि म भा डि डः ॥ वि म  
 ये ह ड डि यं भू ट व इ नि य भ नं भू  
 ट क रः सु मि स क सु न य रं म  
 य सु र सं भ भू भू क म डि डः, उ वि भू हे ये  
 गि हे भ क न भ भ भू वि मे भे डि स ये ठ  
 डि ठ स भ भि, य मे ड ये गे ये क य सु ड  
 न ठि भ डं पि म भ ये स भ डि डः, भ ह  
 व सु भ ने ये भ भि डि गी डे क नी ह नि ड य  
 क ॥ ॥ न ये गे न ड ये न न क मः के पि  
 भू ली ये ड, सु भ ये मि व भ ने भि ठ डि  
 र क भू स भू ड ॥ मि व भ ने थ र स भू डे थ

३.  
 टी.  
 ७

२२



मभिनिदिनिगडिमयभुतठवकुभ  
 दिक्कभायीयनियउयेगदुपयपयि  
 थलीनकममिमुपमिसुते, उभुभा  
 यभयडेननुउभमभुएयभुइउ  
 सुविहृभुकमडिसायिदुपयडुये  
 गड। ठडिरेवभुडिठभुभमनडेउ  
 मगीभुमसुतेउपयडेनेसुते॥ ॥  
 भवडेविलभसुडिउए सुभुवउडे  
 भ, भुइकभचठवभुमिनुनभापि  
 नसुउ॥ सुतुडिफिसुविलभउएभु  
 भनेनठडिउएभभभवेसभुक  
 सेनसुभुसुवडिगएडिदसु ॥

३.  
 ए.  
 ००

उतावभायीयदुभिविभुतेःभुइक  
 ठेगवभुइउभुवेसपुइ, सुलेमनभा  
 इगीमगीकुडभुवेठवयसु, उभुभभ  
 मिनुयविकल्पउभुनभाभुठिया  
 नभपिनसुउ, निहमेवभाकडुउथ  
 रठेगवभुपुपभुविभुइयभभित  
 डः॥ ॥मिवउडेकमभुएइकगु  
 डिभुउःभभ, भभभुविभयभुमेठे  
 सुवभुभुकेभुदे॥ उडेभुवेठेभुयेभ  
 कभुकमभयनिएभुपुपभभभ  
 इमिवउडेकेभभभुःभभभकेभु  
 भुदेभुभुदभा उभुमभभभुभुभुक

२३



कश्चिद्विषयश्च परमार्थश्चैव प्रमाणम्  
 इमं विषयं भुवि एव गमनं नमः  
 इति चेत्पि भुवि नैव भिद्येति, अतः  
 म. मन्त्रलक्षणं विषये एव गमनं  
 निमग्नं विषयं भुवि नैव भिद्येति  
 य ॥ ॥ मातृकल्लेखनीयं सुभ  
 द्भुवि भुवि भुवि, मन्त्रलक्षणं भुवि  
 मन्त्रलक्षणं भुवि भुवि, मन्त्रलक्षणं  
 उविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 उविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 उविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 उविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प

३.  
 टी.  
 ००

नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प  
 नैविकल्पभयः कल्लेखनीयं, उविकल्प

३



यन्निभाभनिभायैव  
 तन्निभाभनिभायैव  
 भूतिः शुद्धाभूतिः  
 वसिष्ठः शुद्धाभूतिः

३.  
ए.  
०९

लिधुतेपडिउ मधि॥ इमुजिभुण  
 य मुभगेवेगवमुमुंउठुं: किमधि  
 लेकेउउयेथमभीयेलदिउ: थवि  
 मीलिउ: येठुंमुमुंनेमगीउवदर  
 नउगीयकडेनयउगगमुभमिक  
 मुमेपडिउ मधिनलिधुते नउरयीठ  
 वडि कमुमेमपडिउनलिधुतेउ  
 मुदभा॥ ॥ मुलिभामिभुमेऊते  
 मुमुंमुवेदलठिया ठवमुमुंविथ  
 कयलउयउवकमुमिउ॥ मुलिभा  
 मिभुमेऊतेमुभुलपगिमिदिभये  
 मुवमुभयदलठियादलेडेनेति:











॥ गेयमुयपि ॥ ॥ परमभामात्र  
 यमीउल यमिवये, कर्ममिद्विष  
 मंभेधविधभायनभेमुते ॥ मिरनन  
 पनड्डरभामात्रामात्रुभा ठवडा  
 थनगिडुमीउलडभा मयसुकरभा  
 मुकुमीउलडेडडिविगणठभमुय  
 कर्ममिमिडलेकिरुमुपय ॥ ॥  
 भकमेवयमुयसमुययमिवये  
 भकमुययधनभः कर्ममिडुभउ  
 ये ॥ मेवः भामिडीउपरविसेड  
 दमलिउय विणिगीभमेधवक  
 गभुउकः मुउभानः भवमुमुउवेगउ

३.  
 टी.  
 ०१

वृद्धमीहउः कीरुमुमुडग भमभक  
 न। मुकुमीनभमिभनमिडेउड  
 ग विमुमुमिडुमेरेमन मुव ॥ ॥  
 रुः प्रलकडा परभमभयडा  
 उभडिः ॥ ॥ नभेनिहउनिः मेधईले  
 कविगलडभा वभेकविधभायपि  
 भडुल यमिवये ॥ निहउभाएडि  
 लक ॥ मुल मुहडिपठमः रुउं  
 यविः मेधंठवठवाडिठवलक ॥ ई  
 लेहं उडुभुविनिगिण नलेमीथिनी  
 मुउगभभामुपयवभा उडुडेयेव  
 भकमुकुडिमुडेविधभाय उडुएड

१४



लुभानयः, तावमं हृदि संभारं भद्रं  
 लुपति हृदि भूयः कुरु लयमिव  
 क्रयेन भः, मगीरभूः ७ हृदि भूयः  
 हृथमंतैव भभवे सय भड्डुः, भ  
 चवभवे भेक विधमभू सानिकृपिः  
 कथं भद्रं लभितुं विवेकमुपाय ॥ ॥  
 भभभुल ७ येगावयं धेयल ७  
 भो, उभैर्भभुल यकभै मिमपि स  
 भवे ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 भभभुल ७ नभठि सुननं स  
 उषा पिगभके तु भभुल रकर ७ पुनः ७

येयेगेः भभुलः भावयं धेयल ७  
 भीयेल ७ ७ कुरु यदभीकर ७, भभ  
 भुमिड विभुल ७ ७ उड्डु डि के उड्डु  
 उ ७ उड्डु वकभै मिमिडि भं व डि वक  
 उय भुड्डु विभुल ७ ७ य डि वन डि ॥ ॥  
 वेरुग भवि रुद्र ७ वेरुग भवि ययि  
 ने, वेरुग भभड्डु यगुद्र ७ यभभने  
 नभः ॥ निः मेधनिय भयड्डु ७ इयन  
 लहड्डु ७ रुद्र विरुद्रः, यभुय विरुद्रः  
 भकभं उड्डु यो उड्डु भभड्डु यः मिम  
 यभुभड्डु ७ गडि भु ७ ययि भवेरं  
 विपड्डु वेरुड्डु भु उड्डु भभड्डु यभु, य

४९

३.  
 ६.  
 ७



उपवभचमुविषयकुहुः॥ ॥  
 संभारैकनिभिडयसंभारैकविरेपि  
 ने नमःसंभारुपायनिःसंभारयस  
 भवे॥ भयःमिहउभसंभारै  
 कएवनिभिडुउभविरेपीसंफडभा  
 वउभसंभारुपायठडि, नभनमि  
 रूपमिवहडिगिउं, संभारभुनिएंउपे  
 किडिडा, एवमपिसंभारविभूउंनि :  
 संभारंउंनसंभारुपायभभुपायमिडि  
 विरेपाठमः॥ ॥ अलयभभय  
 गुयअलभभगुभउये, की७गुभ  
 एअलयनमःअलयसभवे॥ विम  
 भुकर

उ.  
 टी.  
 ०७

इकुपडडिभुडिभुनडभुभलेभ  
 सुभगुंम, यमपायडुलमिपुभभुय  
 युगपमपिभुभभनउविमपुपडग  
 नमभुभभुभनभुभभिकिडिभुभ  
 ईकुपडग, सुउवभचसंफडकु  
 लः विरेपाठमःभुगुग॥ ॥ नमः  
 भुनउभभुभविभकःभनभभुभे,  
 यभुभभगुभभुभभुभभयमिवय  
 उ॥ यभुभभभुभभगुभःभुभवि  
 डिलेकेडःभनविभुडिभुभडकु  
 रभेःभविभकभुभे, भुभभयडिभ  
 कयेगिगभयनमः॥ ॥ नमभुभभ

१०







निच फिउड सुविदुमं मभवं एण  
 उभुभवेः भवदुभा सुभंकरः श्री  
 उभुभवं यथा उपाव सुदुकरणीयः  
 भवमजिउरुमीनं भुकरुष्टुमी  
 यमहिनीदुठवठवभापुकिउड  
 उ, भवमभुयउयभुभंनमः ॥ ॥  
 उएभुवपरिउउलवभुभुविउयः  
 यभुउभंनमभुभुभगपकरभिवु  
 वे ॥ ॥ ॥ उएभुवभउभुभुमरुडु  
 भिकमिहनेभुमिदुभुभुभग  
 रुडुभिवुपरिउउः पवनरुभ  
 लभुविदुपामिउउभुभः

३.  
 टी.  
 ०७

रुउभुभः कफकमिभुयउउउउ  
 सुपवेभेयमः उभुयभिवुउः भग  
 नभभनदुभुमिभुभुउउउउभ  
 ऐलिभमिकः, भगपकरभिवुवे  
 उपरिउउउभुयभभेभुभभुय  
 भभुभुभुयउउभुवउभुउउउउउ  
 रुडुभुवउउ, यउउविभभभभुभ  
 कनिचउिभुभभभउभभुभउउउउ  
 रुभेभेभुभुउउ ॥ ॥ भयभयएण  
 रुडुभुभभुभिवभिव, सुलेभय  
 नमः मभुभउपउयमिउउ ॥ भय  
 मिभयउउउउः भिवभुभउउउभुभ



एगउभुमेवभादुःपद्मेप्यनःकम्  
 भभुम्पुपिवभितेपिहपकडउ  
 कुभुवेउपि, मुलेपायसुम्भिमिकु  
 पाय, मभुवेवसउपइभनउमक्ति  
 लं, उउइइमविकभयम्कंभलंउ  
 भनभः पद्मभपुभुडेभलेपउरुग  
 वउभिमिभुडेनउमभंभज्जभितिविरे  
 पाठभः॥ ॥भद्मलपयविइयनि  
 पयेकुभुभुडे, प्रिययपरभाऊयभ  
 चेइभुयउनभः॥ भद्मलेइभिमभं  
 भवेइभुयेडिभचइयेइभा, येनयेन  
 भयेनविमदउउनउनेडभंभवेइभु

उ.  
 टी.  
 १०

इउ॥ ॥ नभःभउउवहुयनिहनि  
 मुक्तिठगिते, ववभेइविनीनयक  
 भेमिमपिसभुवे॥ ठगवउववहु  
 भुउउपउयवगभउमडभा, वभुउ  
 भुमिभुनडहुनीनडभा विरेपाठभः  
 भवेमेवभुउइयि॥ ॥उपकभ  
 कभभभितेउवडिएगइये, उइभ  
 वडिडीययनभेनिहभायभिते॥  
 उमुउपडउपकभनीयपरभाडेउ  
 वडिडिविउउएगइये, ठवठवडिउ  
 वडुनिमुक्तिडीययभयभलेकु  
 पाय, निहभायभितेमुनभप्यनये







धनं कलिं यकडे, विउडेइतिः पर  
 भनकं यनेइत डिभु कलीयड सुगः  
 मभ्रकः वरुय संवित्रेइतु भागभूभा  
 मभूराय ॥ ॥ विभननिरउर नरुमभ  
 निरुगिड पीपल, इलिकयनभभुहे  
 शभिनैनिउपचल ॥ भूयइलिकभ  
 विभुभभभननरभनभग ॥ कुभि  
 नडभुमिडेतिः, निउपचल भनविभ  
 भरकभभुपायपचभगलेडभभुये  
 गः, भवभुपचलि पुननरभनिरुगि  
 उंनिपीपलं करेडि ॥ ॥ भापभूयनभं  
 वेहुभंठेगैरुएउमयड, इभवउभुये

३.  
 टी.  
 ११

गयमडिच मयडेनभः ॥ यमुजिच  
 कंभंविभुवीमंमभभुवे ॥ नभभ  
 नभभभुविभुभुभापभूयनभंवेहु  
 भभुगैर नभभभविभयभुभभ  
 केभुभवठएउ, इयेवविभुभभयडि  
 उभेयेगयभवभंफडेउउवभभुवि  
 नेनभः ॥ ॥ भनीनभभविभुयंठकि  
 भभुभुमेभुडः, उलिभुभुपियंउभे  
 कभेमिभुवडेनभः ॥ उयेयेगभिमि  
 भुडनं कपिलमीनभपिविभुभभ  
 कं, ठकिभंभभुमेभुडः भभवेमभभ  
 नविभुभुभग उलिभुभुपियंठव



धृष्टयुक्तमभयेगपांरुचवृधियेउ  
 मेकमेमिदुङ्गनिभुङ्गतेनमः॥ ॥  
 परमभाउकेसायपरमभाउरसये  
 भवपाउमुपाउमुपूपायठवेउमः॥  
 परमभाउमुनरुमभुकेसेगाडुमि  
 वउमुडुलडुमिडु, रदिगपिउम  
 यडुग, भवमुभेयमेःपाउमुपरम  
 डुभुकुसमानउउमुपिपाउमुभानरु  
 पनमुभडुःगाउ, भुभलमभेनपू  
 पाय॥ ॥ भकभउभयेनेमिडुपंउ  
 भुमुसीउलभ, मुप्रचभेमुभुठगंथ  
 रभाउरमेवुभा॥ भकभउभय

भकभिभकभकभकभयंउवउपंने  
 मिउडिभुयुग, भुमुविभुयुडिभु  
 पाउलुग, सीउलेभंभउडपकवि  
 डग, मुप्रचभेमेनलेकिकेनह  
 धिनपविभलेनरुमिनभुमुपेभु  
 ठगंभुकलीयं, परमभाउरमेनथ  
 रभानकेनेवुलंवेदिउभा॥ ॥ भ  
 उडुभाउप्रलडुकेहएडिभकपये  
 मिडुनभेवयडेसउवेमिउवसभ  
 नभा॥ भउडुभाउभंभलभुउडु  
 नरुभनयडुकेहएडिठवरुठरु  
 भुसभेवविभुमिडुउडुहभुभक

३.  
 टी.  
 ३३



५८ मुद्रविधयेयमुभनंसाभुतेने  
 डिङ्ङ, उरुथमैसकेयसुगभभुनेभि  
 यइविस्व'सुदभयंउमैरुधुषनभने  
 भिमिइंनन'तुपंन'भुव, उमैरु'ए'  
 डिङ्ङिथ'मनपगङ्ङ' मिइभमुउंम  
 न'भुवउरुङ्ङ'मगभभुभचभभुव  
 न'तुभिङ्ङ'ग, चषमप'ए'भुउंम'भ  
 नभविमिइ'तुपंमैडिमिइ'भा॥ ॥भ  
 च'सङ्ङ'मनिंभच'लङ्गीकल'नलं  
 उष, भच'भङ्ङ'लुकल'उंभानंभ'रु  
 सुगंउभः॥भच'भ'भ'सङ्ङ'नं'कुट'थ  
 एभइ'मिभङ्गील'ड'कुङ्ङ'नं'विमिइ

भंभानवीएकुड'नं'मिड'थ'डिभ'न'ड'  
 न'भ'मनिंभुतुप'सं'भ'क'भा, चलङ्गी  
 न'भ'न'न'रु'म'न'न'क'ल'न'लं'भ'रु  
 म'रु'क'भा, भच'भ'ङ्ङ'ल'न'भ'सुठ'भ  
 म'रु'न'क'ल'य'उं'निः'मे'भ'ल'न'स'कं  
 भ'रु'सु'गं'भ'न'न'स'उं'भ'भ'गं'उ'भः॥ ॥  
 ए'य'रु'व'न'भ'न'भ'भु'उ'भ'क'ल'वि'सु'भि  
 मं'उ'व'ग'भु'उ'भा, ए'ग'ड'ं'थ'र'भ'सु'र'ठ  
 व'च'र'भ'रुः'स'ग'ल'ग'ड'भ'ि'ड'॥थ'र  
 म'रु'क'भ'ी'डि'रु'क'कु'ठि'भ'न'न'ड'म'य'  
 म'डि'ल'लु'भ'न'वि'सु'वि'ठ'रु'न'ड'डः॥  
 घ'गि'व'रु'उः'भु'ड'ए'व'स'ग'ल'भ'ग'डि

३.  
 ए.  
 ३२



पुजंमैउडा, यडेविस्वमिहंतव'सिउंमि  
 मयकुडुपुपभयं, उउस्वएगडंठव'  
 नेवपरमेश्वरः बुद्धमिहः मममिव'  
 उह/उडेमैउडाव, केमेवकीठमिसी  
 ल, एयमेककुठिभानमिमभुडुंशु  
 सुसुपुपे'पुससु नमेनमडिभू  
 सुमिडिमिवभा॥ ॥डिभच'रू  
 परिठव'न'अधिसिजीयभुडेवि  
 डिः॥ ३॥ ममभडेनठव'नंयुज  
 य'सिउयीभुडिः, उभल्लहुडुडी  
 यभेनमभिसिइयमभवे॥ ठव'नं  
 भूमेय'मीनं एवमडमिउपउय'भू

३.  
 ए.  
 ३५

दूषंभठव'मिउपउय'मसिउयउप'  
 भुडिइज, यउमुठव'ठवनीय'भ  
 भमनीय'भुभल्लहुडुडिइयभुडी  
 यः ममभड'रूभहपमेसुड'उद'मि  
 वरूहुयेवहपमेसुः भुडभुमे, मिइ  
 य'सुद'यविस्वविमिइयममभुवेनम  
 डिभूयुज॥ ॥ सुभुगदिएन'रू  
 भिउभुउडेएगइये, भुउर'भुभउर'  
 सुयेउवेव'न'एणीविनः॥ एगइयंभू  
 युज भुगदिएन'रूगीसुमिमेवदि  
 एन'उ सुए'मठिविणे सुभुउउरं  
 भ'धिसंकरगीमरं, भूभूमिउपभु

३५



३.  
ए.  
७७

यश्चक्रुः शुभ्रं परिप्रितः, माभवं  
 चगीभूतः भातः परभेसुरः ॥ ५५ ॥  
 भवेभ्यदुपः शुक्रं मनमसायं शुभ्रं  
 ठिम्नेउत्तमगीमिठिः परिप्रितं शु  
 पिउयश्च मिउं सुकुं शुङ्गलयदश्च  
 कुंथं सवदेयेथं रुयडं मिक्कल्यनिडु  
 मंडपड्यडुडुडुपडुडुडुः शुने  
 उदुपलकिउं मनिरयं पङ्कपङ्कलं च  
 नडिउगीरुं डीडि शुचनीभपुवदि  
 नीमिमुक्तिश्चैव शुभ्रं शुभ्रं शुभ्रं  
 शुभ्रं, माभवं भातं शुभ्रं शुभ्रं शुभ्रं  
 उदुः परभेसुरः शुभ्रं शुभ्रं शुभ्रं







रुवडयभुएउंरुमयभेलनभा. पूरु  
 वीं विहुडीनं पउभेकः भरुएन  
 भा॥ उऊऊभूडिपहूलेजिः यशेडि  
 कभुमिरेव, सुहुमय भुभूयमेवक  
 वडडिभूयुमुहुवमनंनेउभा हुमय  
 भेलनंभभवेमेनैकं विहुउयेहुय  
 नमभमः यभुमलेकिरेसुगेरु  
 मयभेलनंरुवडि, भावेरुभुविहुमी  
 नं पउंनहूडडिमेभे सुनडि॥ ॥  
 कभू भभमेकनंभवेभंभवकः  
 ३. ८१. भभभा. रुवहुनभडप्रनिभ  
 १३ निभहुवभिव॥ रुवहुनंभभवेसुउं

इमिउनभेवभाउप्रःभयवनिभ  
 निभहुवभभुहुउरुधभयविहुहु  
 भीनंभभंयगपड भवकःभभभभ  
 पभकः उभलेकिरेसेककभमी  
 नभधिसभविभुभुदियगथरेवनि  
 गियलंभभभनहूडिभयंरयउ, ए  
 लप्रभुनिभेवडहुमीःभवयडि॥ ॥  
 केवनभभूमउंभंभापसभभगनिहु  
 येभभभूपिकेनेसनकापिविरकभुय,  
 येभभभूपिकेनेसरेकमिनिभभूमि  
 मुनडेनभभुगडइयकाधिकममिर  
 धिनवियेगभुभंभापसभभगनिहु



५१ भाग्यप्रलम्बेवममनश्च ३३  
 वरुवडीहः, एणीवउं सुगवियुक्त  
 सुभमभूपिनेरुवति ॥ ॥ गहमि  
 वउरुहमिप्रलभमभनेरघः शुभी  
 भमभयपिउं सुभहउं मनः ॥ ॥  
 डिठउरभानप्रलिउं सुयभक्तिः ।  
 सुहउं रेमनेडिमयेनप्रियाभडडिव  
 कुमसहः भानरुवमंभिहः, सुमगा  
 हउं रेमनेविमुगभकडेनमीउभरु  
 मवप्रहउं सुभीमभयपिउः मभा  
 वेमनभयभामिउं सुउं गहमिभकर  
 वभुगवयभित्प्रहमिदहभुमरु

३.  
 टी.  
 १७

५२ भवउं भायभुमहृवप्रनभानं  
 गइविदेपंकवेभि, भममभनेरघः  
 प्रलनिगकडेभिहउं हः, वउं  
 हउं उमिहुउपप्रहठिहृनहिभय  
 भुउउभुवमं सुनडि ॥ ॥ नहउं हं वि  
 ययइनहं येगीविममयग, हनं सु  
 हितुविमुकप्रलमिउं विहृभुउ ॥  
 उषाविगेभमभुभीपिउं यइभुमि  
 निभडि सुहमिउं वेहभहृरियवे  
 येगीहृमविरुभंवित्रभियपिउं सु  
 मिहडिगिउं भभनकिहृमपिठडी  
 हः विहविमहउं हं विहृन...







उ.  
ए.  
३०

लं पूषममसुमेउमप्ररुधलंकलि  
 उनभकलिउमिद्रुपपुसुयः यमेउं  
 पूरुठिल्लुयभा। गुरुगुरुकडठि  
 वरुठउः पूभाउगीडि। सुतावभकप  
 रुधेभफेसुगेभकमेवररुद्रुद्रु  
 रुद्रुवपुवउडुडु॥ ०५ ॥ ॥ एय  
 डिउएगसुद्रुमभसुएगउंविठे, मं  
 भगल्लवएवैभयभंकीडभकभरः॥  
 एगसुद्रुउंमिवभभावेमपउडुडु  
 एगउंविठेमभसुएयडि, येभंमं  
 भगभभद्रुएवैभडडि, सुडिप्येरीधमि  
 द्रुपउयल्लुउयभभडः भनकीडभ



नमः कल्पः यथेष्टं । उडिवयभुमं  
 विदिः श्री कुरुन गिले एगडा मथ  
 सुविह मि ॥ १० ॥ सुभतं उवमव  
 निमैव नीकठव ह्युध भा । उमेव पू  
 कपी ह्युय उडने वल ह्युउ ॥ सुव नि  
 मेव नि सुलि भामि पूजुन ठव ह्युधं  
 मउउमभवे स पूष भान उडुउपा ॥  
 भउएव उमेव उनीय उगविग क डुक  
 पी ह्युय उडने व क म मि डु भ विभुः पू  
 उनीयेन यो डेल ह्युउ । उडे म उउ प्रथी  
 यव येन मेव उरम भुवने वन मि ००  
 भडुनेन मिउड पि ए थ के मि उ मेव उः

३.  
 टी.  
 ३३

उडुन एथ उडु भालय मि स भिक्क  
 मिउ ॥ भके मिउर पि ए थं मेव उउ  
 रम मि, सुव भाल येग मि डि य भडु  
 डिउने पयि उभा क, भउः थं उव व  
 मिउय पि ए थ के मि यडा उउ भ मे  
 कउ ए के न मि म के मेन थ र भ उडे ए थः  
 प्रल के वि भ म डे नि डे मि उ ठ व डी उ  
 क भाल य क मि डे गी सुव ह्यु ह्यु डे मि  
 स भिक्क यय मि, उ सुव ह्यु सुव सुव उः  
 सुव व क भाल य क र ल सुगी थ डु म  
 भ मु उ भ उ भ न भं क र थ र भ र म भ  
 उये थनः थन र व उ भान य ग डे उ भ न

५







यथाऽप्यवभवत्तुवत्तुथकेपिडंभाय  
 ह्यप्रमैवमुमुमेठमभनेपिनभूडि  
 ह्ययमेडडियावडा १० एडएगडिमि  
 रूपः किलवेडुधिवेगकः, विडुडिउम  
 येनमिडेनभवेडुमेठवत्तु॥ एगडि  
 डिहमिमममिववभनेएडवेडुमि  
 उमाभिडेमिमरुपेवेगकेहथरुडय  
 उमुउःभवेडुमेभीडिमभुवः १० मु  
 लभाडुडिउगैरियरुवभूठःभरः  
 डीवैविगेभियवभभुहभुवेविमत्र  
 धि॥॥॥॥॥॥ हडुनमसाथरवमः  
 १२ मभवेमभुउडेएनत्रपिभहुभीडि  
 हडुन

मभवेमविवमेठवभीडिमिवभा॥ ॥  
 डडिमीमुइवहंभूयभुभरुभि  
 हडीयमुइविवडिः॥ ३॥ मथलभ  
 भियमपिभानभउइपिसाभुभयडे  
 ठएमेसाभुनभधिसाभुडिडव  
 नगुरुभधिरुडुभा॥०॥मथल  
 हडुपिठगवमुएनेनभूडेकमि,उम  
 धिहडुडुभमि हभभभभपिउडेव  
 यःप्रवहपिभुमडुडा मुडावम  
 नभभपीडुभभभुडंठगवडःभुम  
 यडि,साभुनंभुडुविभुमीनभधि  
 साभुभभभुयं,डिडुवनगुरुंविभुभे

३.  
 टी.  
 १२



पद्मेश्वरं, प्रहस, सुधिकथरमजिः॥ ७

उल्लङ्घयितव्यमिति धनं न भवेत्

मिवमगलं सुसिद्धपरडंगुभिः

ननुपिमिदुभुभि॥ विविगनिव

ॐ विष्णु रुद्र शिव भगवन्

मैवउष्टेवभिधानम्ः उभल्लुविम

ਤਿਖਸੀਨੁਤੋਪਯਸ਼ੇਖਗਤੁਦੁਸ਼ਮਮੀ

पेशु प्रहृष्टमगच्छगीमिग सुमभत

श्रुद्धिभक्तिसमयहृत्प्रीतिरूपिभिर्देव

सुसुधपगडगं कुमिदुङ्ग नपडिउं भा

यीयमेकमिभूमदृष्टं न ह्यभि, जैवत

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

३.  
त्रि.  
ली.  
३५

सुमरन्ममसुखेतिपश्यन्ममउप

कमयत्रङ्कनमुङ्कनमुष्टे ॥ सप्तदशं

पुनडि॥ ७॥ भूकृपयनिएभपुनं

भृगयउरभयिललेकमगिडनिय

वसुधाभिः गवामंशुवसपदिभमिदि

ममः॥ विष्णुभक्त्यनंशुसंज्ञमान

भणिलभुलेकुलेकणिरुपभुले

कथंभयभाट्टवनक्षमममिवउक्ष

मरिउनिभुगयउंनिःसेधेसमय

यवद्वभम् उमिउममिठवभिउम

३०० मयदार्थे निहसभा विष्णुः शुक्र

भीडियवड॥ ३ ॥ णिमिवमिवसम्भु







कमादडग, यमेकं यथाङ्गमयेली  
 वड्डमि, ठेकेवठेगुठवेनममभव  
 इमंभितड्डड्डभा ॥ १ ॥ पामपदुए  
 रमंउवकेमिठुपदुमिडव/डिभुपेडः  
 केमन'पिरभयडि/डमिठुठउममड  
 वधुयसुहभा ॥ २ ॥ उवहूनरिया सुय  
 भयभगीमिमर' कभलसुयसंकेमि  
 मुडनिधुठमेनपदुमिडगगिडुपठे  
 गान'भामनेनसुगीठउधुए'व/डिः  
 भुडुपंयसुडभुपेडः ५ ॥ उनडमह  
 सुध'मयडि, केमिठुनः परमाडि  
 पाउपविडिडः महेठउंरागि

३.  
 टी.  
 ३१

रुमिडुपनडममडउवधुधंनिडभुगडु  
 डुपंयसुहमिमन'केक'पनंभय  
 डिमभडुवेड केमिमिडुपकंकेमन  
 पीडुकेसुनडि ॥ १ ॥ न'वविठुमि  
 वठ'डिविठउय'कममनमभाभाउ  
 मिगु, भयमिमिठु'उवठवेडडुए  
 डेभिविधिवडिभुड'उड ॥ २ ॥ केन'सड  
 वविठ, परःमाडः भुके, भाउमिगु'प  
 रभाने'पमिड'विठुमिवह'भाउं  
 य'कममिठु'भावठ'डिमभवेमेनभु  
 गडि, भयमिवलवडुड'भयक'सु  
 निडेमिड'सु'उडिधिवह'स'उडु'प

२५



३.  
ए.  
३३

संएनवमेवमग भिहुहुमेमिउभवेभि  
 नकिड्डिउ॥ देठगवत्रकंभुहुल्लवत्रउ  
 हेनकेनमिडेमुयैवनिग्पदमजिध  
 उयहुनिएभनेविकुअअमजिव  
 डूनिधमंकगिडेविमुडिंलभिउः उहु  
 संएनवमेवलेकवमेवमग भिहुहुने  
 हवफगभि हुहुमेमिउंउमगीमिधरि  
 मयभभुमिउंभभवेसात्रकिड्डिमव  
 गमुभि॥ ००॥ केधिमेवहुमिउंअ  
 उवकेएभुउंअठगठवउउभः, उहु  
 षभुमनिनममाउकयेनउंधिभुठगी  
 रुउंभिरभ॥ देमेवउंअकुधमिहुग



कृत्तिभङ्गुमिडवकउडभउडुः  
 भुठगठवकेपिउडुलमनमभेनु  
 कुकिभपिएभुड, येनउथीडिभभा  
 वेसभभिवरुमयभुपिउडुवेवभु  
 मनिनभभुइमाउकउवभभवेसमा  
 लिभुउउभानमिवरुसकलनभु  
 धुमुमयभुपिमिभंभुठगीलडःभ  
 भवेसभुभिलभुडः यडुषभभडे  
 मभवेमेवउडीडुः॥००॥उडु  
 भंडुयिकयधिलीलयागगाभधयि  
 येभभगाडः, यडुयेगडुविभडुषउ  
 षभंभुडिःकलडिभडुभेडुवभा॥कय  
 थीडुउव

मृडः

उ.  
 टी.  
 ३७

लीलय

नवेसमालिवडुधुधंभंभीडुभे  
 वभाननभेभउडुभभवेगगःथरि  
 येभंभुभुःयडुयेगडुविभुडुनभडु  
 षभंभुडिःकलडिभडुभेडुवभा॥कय  
 मसंठलडि, वियेगडुविभडुभेडुव  
 भिडुडुलेकिडुंमृगगभुभनडि  
 येचिमिडुभभेकवतिडुःमडुवडिम  
 डुमेभुमीरिडुः, मडुभुविमडिडिडुग  
 मयभुभुयेनवनवभुयेएनः॥उएय  
 डिभापभडुलेडुभनभुयेभनियडुमि  
 वभुनिः यःमसीवविभुडिभडुमय  
 डु, भुडुभंभुवडिमभुडुंभभु, यगभु  
 भ

२२  
 ०९



उत्पद्यति येषु भाष्यमकुले निघडं  
उत्तुङ्ग इभाङ्गि वसुनिगमि. यः अङ्ग  
धरंसा भाउं मभङ्गुवडि सुनकर मंभ  
भसुल यडि. की मग भाउ मय डी भा  
ककुड मिमुन पर मभङ्गुव डुभाउः अ  
रेभने सुगिडि यषा भाउ मय सुमी मङ्गु  
भाः पूभाउ मङ्गुले भङ्गुन चरं अङ्गुभाउं  
भुवडि. यङ्गुव विमिडे मभवे सार म  
भकेन वचिडे भुउ एव मडि मी गिडः  
मङ्गुग डुयं मङ्गुभिदगा मये भुधिन  
वनव भूय एनः भूडिङ्ग उडु मभवम  
भङ्गुग रगी सुवि साडि धरि भङ्गुगडि॥

३.  
मु.  
२०

०३  
०४

परिमभा भुभि विगुभि मं एगडिग  
लिडे विगलि भन मेभलः उमपिन भि  
ठव डुगो भग नल कव एवि पडु  
नभङ्ग पि॥ भुङ्गुग डुगु मभवे सभं  
भुङ्गुग डुगु भुभि भवडि डी डेरिय भ  
डिः उगुं ठे मभय डुगु मं एगडि  
मुं धरि मभा भुभिव. मभवि भुभुफि  
नर डुं विमुं विठ डुम मं भुङ्गुग म  
उय भुङ्गुग जीव मङ्गुः भन मभु विगलि  
भने भले विगु कल डु विगलिडः  
उम पिनिः मेभ मङ्गु मेभ विमुभय  
भुङ्गुग भफ विगु डुगु गङ्ग नर मभय

विगडि



अकड्डुगुपययुधुगंधुगंधुपयस  
 जिउपंडरुनलयुजकवएविप्यदुन  
 भडिमुठारुगडिपुएविपाएनंभभ  
 भनगधिनशु, मुनेनधुविगलिउनि :  
 सधरुनमिमंभुगंधुगंधुभिभवेपा  
 मयउरुपुनडि, यमुजं भवसकुतग  
 लीनेहमिसीपुहठिह्यभा ॥॥॥भ  
 चडीउःमिवेह्येयंविमिड विभमु  
 उडडिसीधवसभु॥ ०५॥ ॥भउउ  
 फलरुवमुपयपहुएमुगविलेकनल  
 लभमेउमः, किमपिउडुरुनभभन  
 गिवभुरुमियेनभभ ठिभापभुडिः

नानुउडुप्य  
 निहुः सिवः  
 मिहानुप्यनः  
 पगभाहगविगू  
 नः, उह

३.  
 टी.  
 २०

भउउडुल्लेनिहंविहभिउंयडुमुपक  
 भलं, मेवीभापभिकेमुउडडिभुह  
 डुहगमजिपमंउभुयमुगंधुगंधुपयं  
 उवकंधुपयसजिभभभभभयंमभुवु  
 पंडभुविलेकनंभभवेसभुइलल  
 भंभाडिमय, ठिलभंमडेयभु, उभुमे  
 किमपिउरुभभुहभुपयपुमुजंभ  
 नगिवकेलभभइलल, येनभभ  
 ठिभापभुडिःभभुरुमि॥ ०७॥ ॥  
 डुमविहमभउरुपयंउकिंभापभिक  
 भुविहडिउरुभभ, उमिहडवकम  
 भभनभुकिंउपयभभेडिभनःपरिह  
 डुभ







३.  
ए.  
२३

यकिमधरंभागयठवडः पूठे ॥ मिव  
 सुनिमुयः सउमलिनिधरं सऊभा  
 जठउधरः पूठविमुतिः ॥ १० ॥ य  
 इमे सुभयमेडिविवशं सुदुमः पूठि  
 ठिः मरुमचैः, कपिभविण्यउमि  
 वरिः सुपूठपूभरठभरुध ॥ म  
 कपिलेकेडरमिवरिः मिवसभा  
 वसदुभिः मभसुभायीयपूषभंर  
 सुडिगिवरिः कीरुमी सुपूठपू  
 भरेल्लमिदुक्तमए भुजठभनमीलं  
 दुपंयष्टा सुरुमी, मउडेमेधपूषदु  
 सभाहुरेविवशं सुदुमः पूठि



[illegible][illegible]



मरीगसुभभवेसमभरमुद्वेपभय  
 भुमइकडुपभुभुभिमोडिमिवभा॥ ॥  
 उडिसीभेइवहंभुभेमिलनभनि  
 माउकेभेइइभगएनडाविवडिः॥ २  
 डिउइरुपमभभुभभुभभुगभडि  
 नभा गलिपगमिकयनभभंभुवेस  
 भुवेसय॥ ०॥ पारुभगीमयःभभ  
 कुभभभुगःभभवेसभुभःगले  
 पगमिकयन०सजिपउरुभःभुवेस  
 मिडुडुपभेमिडुभा ० ठवइरुभु  
 एगएगएगएगएगभुवएःसप  
 गगभभभुनडनःभुभकंकरु॥ ठवमी

येन धर्मभूयः ॥ १ ॥ भूयः ॥ २ ॥ भूयः ॥ ३ ॥  
 रमन्ति कर्मलपङ्क्तौ ॥ ४ ॥ भूयः ॥ ५ ॥  
 ऐषिव भित्तुः ॥ ६ ॥ भूयः ॥ ७ ॥ भूयः ॥ ८ ॥  
 कृष्णः ॥ ९ ॥ भूयः ॥ १० ॥ भूयः ॥ ११ ॥  
 धत्तुं ॥ १२ ॥ भूयः ॥ १३ ॥ भूयः ॥ १४ ॥  
 नंगा ॥ १५ ॥ भूयः ॥ १६ ॥ भूयः ॥ १७ ॥  
 नयेन निहन्तु ॥ १८ ॥ भूयः ॥ १९ ॥ भूयः ॥ २० ॥  
 मभू ॥ २१ ॥ भूयः ॥ २२ ॥ भूयः ॥ २३ ॥  
 वक्तुं ॥ २४ ॥ भूयः ॥ २५ ॥ भूयः ॥ २६ ॥  
 भूयः ॥ २७ ॥ भूयः ॥ २८ ॥ भूयः ॥ २९ ॥  
 य, यदुभवे कृत्वा ॥ ३० ॥ भूयः ॥ ३१ ॥ भूयः ॥ ३२ ॥  
 ठिल ॥ ३३ ॥ भूयः ॥ ३४ ॥ भूयः ॥ ३५ ॥

भेमिष्ट  
उ.  
ए.  
२५

3.

८१.

३१



[illegible]

भयीयमिदुलीठवंनयेय कीमृका  
ठवडिभङ्गडुडयठडिःभवभमि  
भमः कमभुगीमभङ्गभुनप्रतिडेभ  
कष्टाप्रिलभिडः॥ ५ ॥ मिडडुडु  
विविठवभयंकपियरभ, निगडड  
डुलपभयीवाडिमकरभ॥ मिडभ  
वजलडुडवभनसुयडकंरडमि  
ठिडुडडभभुविहंकभंमिडिवरु  
भूमयंकुविडुभिकयंवभयं यरभेडि  
भूदगिसीलिडभकरभभभवेसा  
नमभयीनिरडरेषनभुडुलपेठव  
दगभजः भूडंडुपंयष्टभुदमीव

शुभेव

२७

不



३.  
६.  
२१

गवः कृत्स्नं भगीमयः, विरुभडेभय  
 वरेकृद्भुः प्रएनयउ॥ भगीमयेव  
 गुफिकः सजयेविरुभडुष्टा प्रिभभा  
 मयतु उवप्रएनयडुभभभभवेसाय॥ ३ ॥  
 भूमीरुठगवहेनडुद्भुपडिउंभरु, भ  
 नेभउडुभभहुद्धीवेमिरगलेमिर॥  
 भूभरुभभउवभुयभवविलीठवसा  
 हुनेमल्लगभनभा, एवभुडुडुद्भु  
 सजभनेपडिउंलठिउंउडुमिडिउंले  
 मनेडडिवलपिडभसहुडंभुडीउंय  
 भहुवभुनेषुनडि हुद्धीवेमिरगलेमिर  
 डिभनेफेहुद्धयभभुवनलिसमभ







कु

अथ कस इकड भपिधु पयस भीये  
 कुरु, सुभाडी कडे डिथर सजि भज्ज  
 उर भवठु जलैः सभमि डुडु, सभ  
 भवेसह पिभमये सभ सुठु न भपि  
 उरयड भसंभति ०३ सुमेधुवन  
 कग निहडुः आप भनभा, सुभिन्न  
 क सुमेधुधुम सुलेकन क भा॥  
 क सुभिन्न सुमेधुवन कग निहडुः  
 पभन क पनः सुमेधुवा एउउपु  
 भ सुलेकन वसंग क भूक स डु  
 कड भपिधु पय, की सुसंभपेन सुउ  
 यउउर न क ह पिभयभा॥ ०५॥ ॥

उ.  
 पी.  
 २७

31

सुउठ डिम भडु मच भी लिउक  
 लः, नभे भडु मिवाये डिथर यकुंड  
 वृधि॥ सुतः प्रन्त फड यं ठ डिम  
 भडु गी लिउक डिथर यडा भडु  
 मिदु पय मिवाय नभ डिठु ड, वृ  
 वृधि प्रन्त यकुंड मिवाय पभ मेय  
 भा ०५ सुपिल सुठु व सुवः सुडेल  
 सभयं एगडा, प सुठु डिम भठे गे ठु  
 यम पिथे एउः॥ ल सुठु व सुव सुम  
 कुंडु येन उर व सुडुनः मिवाय थ सुल  
 भाव भूठु उं उं य सु, उर विपं एग  
 डि सुं प सुठु डिम भठे गेः सभवेस



भूतलसमभङ्गैरधिपियेऽः शुभा. उम  
 त्रिहृष्टैर्गधयेऽयतिविनयकऽह  
 भयभ्रुह, भक्तममिदुठिभानवि  
 नयकेठुतयंभेकस्त्रीमिडियव  
 ग्री ०० मुकङ्कलीयभयंयेनव  
 विरुड, उवडेन द्वितीयभयंयेन  
 प्रलड॥ भवडेनिरकङ्कडुडेभेवपरि  
 प्रलडडः ०१ कश्चडेन डेयडग  
 द्वेभमिडुडुडे, पीयडेठडिपीयभ  
 मभुडुप्रयंथमभा॥ नुडेडुडुः भूक  
 ठेनमेकमिभूमडुडुमेप्रयडेडुडु  
 उगुडुडेगगडुधमीडेनप्रदभूकभू

३.  
 टी.  
 ५.

भाट्टडयगुलीठवडुः पीयडेसमभडि  
 यडेठडिपीयभयभः मभवेसमभय  
 भयः भवभूमदभूतडभूयानठेएन  
 धनडियभूकलीय, भडिडलेकि  
 केडेडेड ०३ उमप्रचभेमडुडुडु  
 जभभवभनभूडुडुभा, एउमभ  
 भनभियववभूडुडुचभनगवः॥ भ  
 भेडिविमिडेप्रचेलीकिरुभेमडेकडे  
 यभभूमिडुडुयः भेवभूकलीयड  
 डुभभवभनभूडुडुभूडुडुडुभभेड  
 भनभियववभूगामिडुचभनभूडु  
 कुवगगामिभूगगः कुमकरभयभू

३२

०७



लभुगगिडभा डंविरेपरभिकंवेय  
 यफिउभभरभेकुरयभा ॥ केभभभ  
 भकुरयंविरेपरभिकंभभवेमेड्डं  
 ड्डंनेउविभयेकुरापंफिउंवेययविवे  
 किउंकर, येनड्डंनेगगाभिरभकउं  
 ड्डंउमनरउंभवेमु ॥ १० ॥ विमर  
 ड्डंगमसाभुपिविभयहवाडिवउभने  
 पि, ड्डंविउंभभिरभभउरलीकउरु  
 मयाएवभभा ॥ योगमसाभुभिकड्डं  
 ननिविभयेहवाउयड्डियं ॥ ५  
 ड्डंकरभुइवउभनड्डंविउंड्डंविउं  
 वभभिरभभभुनउरलीकउंउएउं

३.  
 टी.  
 ५०

भिउडुभिकभुडुमिहवीवेसुवअलभ  
 नंनिएमभड्डंउडिउंके ॥ कउमिरु  
 धिडुभिकड्डंनरुविरेकड्डंमयंयभ  
 उमगवभभा सुधिसवेनभभभभ  
 डिउडेन, नमरलीयडभभा ॥ ३० ॥ व  
 मिभनेभडिभुउममगीगमेभुभभकुर  
 रमिडभ, भचउभचमभभभःभरेठवउ  
 ठजिरभः ॥ भनेभउयःकलनभुएन  
 पियःकर ॥ रमिडभभुवडिउंमिडिय  
 कदभमजनसुव ॥ मिधचकड्डंइव  
 भुवडीनंभचउभचवभुभभभःभ  
 उमवेवभुवडिउंमःभभवेममभड्डं

३४



उ.  
पि.  
५७

गिष्ठिचंयस्मिन्मङ्गलंविष्णुपुंशुवनंविष्णु  
 विष्णुतिष्ठानंउत्कीर्णमे,परितःभ  
 भत्तविधीतःभभस्तेनिःसेधेएतेवे  
 सुतेपुष्टउत्तुमिभूभयेयेन,उमन्नग  
 लिङ्गभरमिन्नयीगडिकभगीयत्  
 मिवाङ्गमिष्टुपष्टितेकेकेहृष्टाठवत्  
 मुनेनठितमिववामनिभभउत्तः उत्त  
 भूककेविमगेयंभवेमेनभूभगेयं,  
 कीर्णकीर्णवतःभूकगेजितमसुयत्तुप  
 उत्तुएनेकनिष्ठः ३८ ॥ भवप्रथिभू  
 एठभिनिसासुतेभिडित्तउत्तकिभभ  
 भयष्टुते ५तिभडिःभभूठठवत्तु



३.  
बी.  
५३

35







उ.  
ली.  
५५

[illegible]



गकड मम मउउ महु इ नं नडठ उमभा  
 वेमेन भुगउ, अथुठ भुमेन निण  
 मि, परि भुमेन सुभु उदड सुभु मउ  
 डिगए डिभुवी डिहेन ॥ ३ ॥ कं कुमिकं  
 नपि मे मे किं उडु उडु उवधः, सुउ सुन  
 भुय मेन भवउ भुभव भुय भा ॥ सुउ  
 उडु भुठि उडु भुपड भुिं मे भवेपि  
 वः उं मिदु, पम भुय मेन सुन भवेदु  
 य भंविन भवेउ यउः कउ भुिद भुय  
 भा, मभवेमेन श्रीकदभा यउ कं कुमिक  
 भवभुिं डिं नपि मे मे न पि डि भुभिउ सुदु  
 भाउ गं वर भुकिं यउ वरधः सुपुं न सुग ॥ ७

३.  
 टी.  
 ५०

ठव महु परिभुद भुमेगः सुमुयेवभा  
 यउड भिय डि भुभुकिं न घन डि उं भ  
 य ॥ सुदु परिभुदः परम भवेम भुजः  
 सुमुयेव न उरु मिदु उरु किं न डि उं  
 भवेदु सुभु भवेव भुिउ भिदुः ॥ ०० ॥  
 भुद पीठ वन उ डिगन ठिदु महुनः  
 कउ सुन यउ भुउ भुभवेभा गय भवे ॥  
 सुउ डिगन ठिदु उं ठिः कउ महुनः ॥  
 उठल उ भवे मिदु प सुभु उं न कं मेः  
 यउ भु भुउे गउ उ गवि वसा भुभवे  
 मिदु पं न उ उ डि डि डि गय भवे विध  
 मः, सुउः भुद पीठ व भुद मे सुभुि मि वभा







३.  
ए.  
१३

गठङ्कुमुनक्तभुमभुइअमेसभहु  
नेधुल्लंवेकृणुंभमेकंसिउंलठडभा  
कीरुका निःसेधिउःभभप्रविषय  
विधाभद्रवभनचंवैह्रफलाफलष्ट  
भनसंधुरा७भवपिकदामयेन॥५॥  
उरुजितथनमीपिति संभक्षवसात्र  
मैधक्रउतभा। मेडेभालिविश्वस्तडा  
गमित्तुधुवकिंक७ना॥ भभमेडेभ  
लिगेमिट्टिमिउअदकउरंडेउरुति  
उथनमीपिति संभक्षवसांद्रुकभवे  
सअदकर भद्रदुगा मिकनेवैकि  
क७नुमुभसहाजी शूलिल्लुडुगउ







३.  
५.  
६.

[illegible]



मधुपुत्रनट्टरठवेगं सुगोपवभिउड्डः  
 भावविमिरुपमुषा सुयमेवपुभीम  
 डिठजिः पुभीममीसुसुपेयभाहृ  
 उभा डवमकेठजः परिमिउडाभाक  
 कधुपुपुहृमभेकाशुमभयेवउये  
 युभीउपगउवडी डिठजिपुभाकेपर  
 भदंमभुगविडे उरु विवपुभनिठ  
 गयभुत्रुहे मभुके उरुमीवध  
 भीडिपरभाननपनडेकभापुल्लेअ  
 पुपुडुमिंविमुरिभा ॥ ० ॥ इड्डुडुप  
 रिमच एरुकेपुमेउपरिडेभरमे  
 उः भचकलभिफमेपरमसुहृनयेग

३  
 टी.  
 ७०

भदिभमि विड्डे ॥ इड्डुडुडुडुडुभिक  
 इड्डुगलभिवडे डिमेकेउयडुयडुपि  
 मचलं डडेएरुयभमभकेधुलेकि  
 कपरिडेभरमभुत्रुपुभरः डकेडिए  
 गडिभचकलेहृनवभरपिपगंकेव  
 लभुमेडुल्लभाउ हृनंविमभयभुडु  
 डिपडिदेगभुडुडुभिकलठभुयेरुफि  
 भाभुकुडुभुमिपमडुडुडुयडुपःरु  
 लभा ॥ १ ॥ लेकवमुवउभविभयेध  
 भनीउपवठगवचरिउड्डः केवलंउव  
 मरीउयेडंलेकयेयभफमभुविक  
 ल्यः ॥ भफउभडुभुडुडुभेजिः केठ

३



गवत्तमलेकश्चैवविधयेषुपुत्रमिषुभदी  
 उवदलपवपरिउद्धःभृदयलडुमु  
 किन्तुउविधयनकमभुविकल्दिगलि  
 उठरुभूतिपडिःभंभुवमिदुङ्गःसगीर  
 उयःकडभगडुनलेकययंथसुयभा ३  
 रूफकुमिभुडसभनमिडुंभूरुङ्गनिम  
 ठरुभेपडे, भंविदुःपमिभुडभुमडेनभु  
 रूभभठवभृदपुपः॥रूफकुमिभुए  
 गभरुङ्गुवभुभभनमिविकल्दभभ  
 भूरुङ्गुनिभापदुःपमिभुजभयेभंवि  
 दःपमिभुनीलमिडुनभुडेभुडिडि  
 मिडुभुठरुभुपडे

उ.  
 टी.  
 ७३

उडिनभंभकमेधः, भवभिन्नभिन्नति  
 किउभृकगठरुभयेभडीडियवडा  
 उनेडिभृङ्गनिमभडुडेनमिडुनभुङ्ग  
 नभुडुपेभभभभृदपुपःभुभृपटे  
 नभृदगठव॥ २॥ निएनिएभुपमेध  
 पडिडिभःकगलवडयउल्लभिडभ  
 भ, कलभपीसभनगपिभैवकुङ्ग  
 विठरुभभडुडिभदभभा॥ उभभ  
 भकगलवडयभृङ्गमिःभंविदुष्ट  
 उल्लभिडभुलेकिक्कननिएउएभ  
 भिल्लभःभेधभेधपुत्रमिभुविधयेध  
 भभगडु, कगविठरुभभडुडिःभभा

५५

३३

३३



३.  
ए.  
५९

[illegible]







उ.  
दी.  
५५

कल्पभवि कल्पयेः पूरु साभा उर्वेय  
 रभायनभेवभा रभुङ्गुं दुं पये धं डनि  
 केये पं रये कल द्दुमुट्ट निमभभुनि  
 वभुनि थं केवलं परिः मभउडा।  
 भुङ्गु ॥ ०० ॥ परभे सुउते भुते भुते सु  
 भुपिन भे पन भङ्गुं केवेयभा ॥ नपरं  
 गाउठी भुङ्गुं भङ्गुं भङ्गुं पएउ, पिकु मभ  
 मेपियवडा ॥ रुमु भुले मे भुने केवलं भुदं  
 गाउठी भुङ्गुं भुङ्गुं भुङ्गुं भुङ्गुं भुङ्गुं भुङ्गुं  
 भवे सडा यवदु पएउ पिकुः पूरु भुः  
 मभमे केयेय भुङ्गुं गपि केवेयभा।  
 भुपिकु मभु भुयभ मयः यदुउदुः



विष्णुविष्णुविष्णुविष्णुविष्णु  
 लनरुमेभमफलीगयप्रलभेममि  
 मुडिंभुयभा ०१ उवमरुनिवि  
 सुभभुडंयमुवडेवधिवकिःभूक  
 सुडडड, डडियमु, रुनिमुयेपुडभुं  
 डकिमनीभुएमेवठभडभा॥ यकि  
 सुंहेभकलडःकलनलडंठवरु  
 डडभुडंडमुडुइभुडंडमुवडं, नड  
 डेनरकिगिडिडडडुभइयेकयव  
 डुडेनभूकसुड, सुधिमरेवकिःभू  
 रुमेनेपिमुडःभूकसनविगभफ,  
 डडियमुभुवडुडंउपंमुडेननिमुले  
 ननिमुयेनेपमभीयेडभुं

उ०  
 ए०  
 ५०

श्रीरुमेविडंभभवेमेनभुमिडंडमि  
 नीमिडिडुइनेधिभुएमेवठभडभा  
 भूडकीठवडिडिमिवभा॥ ०३॥ ॥  
 मुलेकिरेथेमुलनभभटभभुभेरेवि  
 राडिः॥ ३ ॥ सीभरभुडेनभः॥ ॥  
 डिकरनवरभभुडुभभुगभुमनेडुक  
 भा, भूवडुडविफयडुभभडुडुनभः॥  
 नवरभेनडडनडिभुभगेसाडुडुः  
 भडिसयेभुफनीयःभभवेमडुभ  
 भुगभुभभुमेडुडुंभेडुंभभभनेडु  
 डुलनएलेविफयडुडुनभभूवडुडु  
 डुभवेमभयेठवेड॥ ०॥ डुमरुड

५४

ये







भवेमङ्गलः पूरुव सुमीरुदभा उरु  
 ईसुदंभु प्रयमिडियवज्ज ॥ २ ॥ कुरु  
 मष्टादिठेठुरिठकु नमः भेदुवः यम  
 लेकभायनमीपाषडभपिलभुते ॥  
 ठुरिः पूरुतः उरुवेकु डिभुदनीयडुड  
 मेकहगुडभङ्गुसुमभुपाषडभेडुने  
 भभरभुप्रयडि ॥ ५ ॥ रेसुभठयभ  
 मरंभुलभकुरु मभपडुडभुभा म  
 कभठिहयकुरुभुभिएनंलहयिध  
 मि ॥ सुमेधविठुडभरुडमीसुं  
 सुभुडियेगिडुमठयं भवभुरुडभुम  
 रंनिरकडुडकुलं निहडुमकुरुलं

भुम

उ.  
 ली.  
 ५३

मयमकरलं निविभिउभेवएगमुथ  
 उयगुरुलं नभुधुधगेधनभभडुमभ  
 कडुङ्गनंयेठुनीसुगमिडुधः भगेधय  
 उङ्गनंठगवंभुनेवं मयमगेधिउङ्गे  
 वेडीमसंभुभिनंनिएंभुडंभकभेडि  
 मभुवरेमयडुडकुरुठिहयभङ्गुडु  
 लहयिधभि मभपडुडिभुयनउरुध  
 गुलीकुरुलं भुलमिरेकडुधउयेवभु  
 मयेडुडः ॥ ७ ॥ कुरुकभपिउंनभउ  
 ववलठडभियभा ययभंभुडिनक  
 धियुडंउभुडुलधियुभा ॥ उववल  
 ठडभिडुङ्गेभभाफ भभउवमउउव

50

ए



३.  
क्ष.  
७७

[illegible]

५॥  
३॥



उरुपायदुःखिः सुखपरमाहुः ये  
गमेकदुःखिमुत्तिवभुनेतेनवभुनेदग  
भलकिउभुविमिउमभवमइनेये  
गभुपरममैउतेठैवेकपडिउपरम  
ममयदुःखिभुमडिउमभकदिक  
मप्रलठउठदभुग॥७॥ भदमै  
वभभुकरगगभभवभुदुदविवमे  
दभाउदुग<sup>वि</sup>वरनिपांमवभुभु  
दयिधमि॥गगिडिभुडिठविकभेन  
भभुभभउदुभभुगपरीठउउ  
एवदभुविवमः परभनमनिठेक  
मदुग<sup>वि</sup>वरनिपांमभभुभभनयं

३.  
८.  
१०

ठवदुगमजिनिपिंमवभुभुदयिध  
मि,कउउयउःभुडमपिभमिडेपरे  
मयुडेभुदयिधमि,परभुडिठवल  
भुयउवभुभुभचभभगुदुवलिकन  
मिकंयदुभवेमभंभभेपरेमउडुउदु  
भभचउगुदुभभउंभुमिउः,मने  
भभभनःपरिप्रलठदुदुभएनउणि  
भभभपगउंभुमयडि॥००॥ परिउः  
भभभभुदुभभलेकभयःकम,भंय  
भभभकिडिभभयभुयभिलेठवेग  
परिउःभभभभुभभुदुदुयभुयभु  
भभभभुदुभभभयःकमभभ

५२



३.  
ए.  
१०

उषाकदि



३.  
ए.  
७३

अथ

गव.



भनियश्च। मउत्तरकभेनविकभेनेहा  
 मिउंष्टुंमेठिउंमवइंयश्च॥०८॥पसु  
 एनभभानवउभवप्रयसमभिमंक  
 मसभेसुश्चमयेयउवकठजेमिउभा  
 इनेउपभा॥इइनपडिउठेरुभयीभि  
 भमिडिभुएंठंतीमसाभवप्रयनिव  
 द,मसमभभवेसभुभगइचहवप्र  
 नेनठिउयउवकठजेमिउंनिडेकिउप  
 भानकभयभइनेनइहचकभमिदूपं  
 सुउपंकमभुमयेयमभइदभा॥०९॥  
 लवलिभमिमिडिचिगलिउभकले  
 पडपभइमः॥इइकिभमनिथानरी  
 रभायन

इनिधुःकरभीय॥मलिभमिमिडिः  
 भुगुमेठेरुभयी,मउत्तरविगलिउःम  
 उउपडपःभइभसुयश्च।इइमी  
 नंउठेरुभयलिभमियेगेपिभर  
 मिइभसुवसुभुवउ।उषकुडेपिउ  
 मुहुभउपानभुमेरुपरःकरभुभा॥ ०३  
 नसकरभउषविपउइजेभमभसुवे  
 सुमि,यइभनउरभेवभुवडिभरभ  
 वकीभडिः॥मिगहुडिउंभेडिःभउष  
 विपडडिवकुभमहउइजेभननरुः  
 भभसुवेइयेभेवेल्लभेड।भुवडिभभ  
 वमेनमीहेउभडिःसुउपभा॥०९॥॥



गगनगगनवमदिभुगेलिङ्गनहभनउद्  
 गमडः। वभुवभुमभयउडावडं कम  
 मभवलेकयिडाभि॥ वीभयहभन  
 उद्गममहंमठडिभुकुवेवभुभाक  
 वभुवभुमभिडिठवठवडुपंविभुभयउ  
 डावपुनएधमिविभडभपिउकुपं  
 मभुजडडेवलेकयिडाभिडुहभीडि  
 मिवभा॥ १० ॥ डडिभुउडुविणयन  
 भनिभुडेविवाडिः॥ ७ ॥ डिनभेठह  
 भवसुंउएगरेकभुठेरिमभा भकसु  
 सुएगडभिडेभंमभसुयड॥ भकसु  
 गविभुसुगभुपमभविभुंउडेभं

३.  
 टी.  
 १२

ठमभयनंभुङ्गमीनंमभाऽडीमंडउवन  
 भेठहभा डुयैवेउवभहुउभुठवभिकु  
 भवेउहुउभुभवेकेडिडीयेएगडिभुडः  
 मकगेविरेयभाकडः उकुंएनवेमेव  
 मगभीडिभुडहडुनेउउभंलेकनं  
 भुपमभंउवनभेकुंयडभिरुहे॥ १० ॥  
 यभमेवभगगेनठवहुमवगभिनःय  
 डउडगडठेगंभुकंभिकुपडुल्लुडे॥ मव  
 गगेभहुयेडुमगीमिमंरकुभुयउउ  
 डेडिभचवभुभुडःकंभिकुभभनउ  
 भयडेग<sup>उ५</sup>डुल्लुडे॥ १॥ ठडकलउके  
 यउठवंभुउठउरुएःउउमउठेगसा

वि  
 भिडु

५१











सिद्धभुभीक्षुः पूरुतिष्ठुः ॥ १ ॥  
 यथं भुभवेभिर्विठेद्वलसंरुमयं उव. ७  
 नष्टदुर्गुत्तुवदुभभुत्तुगीनउभा ॥  
 भुभवेभीतिभुयग. मडावदुमयं भु  
 रुमविभज्जुत्तुं तुयं लवभुद्गीनउभा  
 येभुभुदुग्गुमीय. भगवदुमयं भु  
 नष्टविभुदुग्गुमीय. भगवदुमयं भु  
 भिभं भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 उभं भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 भंविभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 विभुं भिभयगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 नष्टविभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं ॥ ३ ॥

३.  
 ८१.  
 ११

इत्युत्तुनीयलं विभुं भुभुत्तुगीनउभा  
 उभा. गंभुः भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा  
 ॥ ॥ भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा  
 भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 भयउभा. नष्टविभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा  
 भिभुं भिभयगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं ॥ १ ॥  
 भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं  
 भुभुत्तुगीनउभा भिभयगीनउभा भिभुं

५२  
 यउभा  
 विभुं



त्रिपञ्चपडिउपाङ्गुपाउकल्मभभुभा ००

रहुउरउरयलीकवलेमउमिभुडिः

इयिमहुमभविठकिभतुदुथयुष्टे॥

रहुःसगीरभभुडायेरउउरुमुभये

गवियेगामयः, सुउरउरुहुयेरक

भनःमहुल्यरुयेयेउरयःभुविमृदुथ

रेपिनमुकवलेरकिउउकिभयेमेउमिय

किभभभुडिःमभवेमेकगुडाभुडाकि

भतुदुथयुष्टे, भुपुहयेवभुपुडग॥

॥ ०० ॥ ॥ ॥ सुहेइमडिठगववः

हेवडिडुःभुडः॥, सुहेइमडिठग

ववःइहेवडिभुडः॥॥ ०१ ॥

धभलीपडि  
भुय

३.  
ली.  
१३

सुहेडिडिगहुएरहुवगिनःभंभगि

सुहुडिडिगहुएरहुवगिनःभंभगि

भुडि, एरुभभुमिथभभभभदउं

ठएउ, सुडिडुःभुड भुडुलुडठवः

सुउः, सुहेडिडिकेमिभवपमिभःसुहु

वमिभुये, नउपगउरुमिभपि सुडिभुभु

उःपभभनःकृष्णःभतेइमडिविफ

डि॥ ०१ ॥ सुपीडुपिठवमुडिभुयभन

वलिहम, इभीमडुइभभभभइकि

डिएरुवः॥ इमुडिभुयंमउमभवेम

नउमभभीडुभमभहुहपि, सुनव

लेहमडुमिडिमिडुपुंभंभनगपु

68



३

उरिह्यएतवेएकमिठलेपिकु  
 भासाभामिडिउरुभायमदथा  
 मेडिह्युति, परमिह्युठलेखडिमुपि  
 मेवेनभाउमेवेनमविभयेमुहउ, उष  
 कुगमे, रुममिह्युठियेगेनमदयेदुप  
 रुमुभंभागिलेउगलुडिविमुअएग  
 उःपडिगिह्युभउभा सुभमुकठिगपि  
 मीउउभाउठिफिउभा, उभिउल्लि  
 एएल्लुकिमुठवेनेमुमिमुमु, परमे  
 मरुममुठवकुकेउ विमुयडउमुःमगी  
 डि॥०३॥ हृदयंउवविठेउनेहिएग  
 उंयष, विरुह्युनमेवंउठउहवयम  
 धलम

३.  
 ए.  
 १७

हिएगउभिडिभयुग, विरुहीडिपय  
 भिपेधयभिमहूनेमुंमुं, वयमधुल  
 भिह्ययभमयः यषउय विमुभउ  
 ठमेनविह्युपिरेफकुठिभानगुल्ल  
 वमुउभुमय सुपिवयंमुडिरेहिसिड  
 उवेयनंठिवमेवविमुएनीभमुडेलभ  
 उंउवेयंययलीयः पेधलीयसुयडे  
 हृदयः ॥ ०४ ॥ परममभाउभयेरु  
मुपिएगमहूनि, उयिभजमेहउउ  
रमुह्यिडेभिउ ॥ उयिपरममभावेनी  
 लपीउमिएगमहूनिमुमुपिमुहूनेउ  
 मुपेनभूठिह्युउपिभजमेभगम

७

उपे



भवेमभजप्रभवेउवहमभुद्धिउमि॥ ०५  
 मेवदुःपपुमेधालियनिमंभगिभ  
 पि,पुष्टाएठवमीयइयउत्रयतिभहु  
 उभा॥ केमेवकीडमिमीलमुमेधालि  
 एवहुमिविभक्तिउतिउवहुःपपविरे  
 मभयडुग,उत्रपिमंभगपपपुमा  
 हुंमेठवउंगसुति,यउपुष्टाएनेम  
 भहुभयलवमिभंभुपुभनेमभिटहु  
 ठिभानवभुभगुफि॥ इमीयेनइययु  
 कुनिमंभजउत्रेउनि॥ ०६ ॥ भवहम  
 चमजमेठवेवभडिमिभये, भवध  
 पुभडेनभयपुजपुष्टाउःपुष॥ ॥

उ.  
 टी.  
 ३.

मुष्टाएगडेविमभुभचधुपिमसक  
 कुर  
 ल,कुशियकविहुमिनभुपेभु  
 मवहुभुत्रपपुभानडुमविहुभान  
 भुडियिमिभयेभवमजभुडेभचव  
 ठभकेमभडिभचधुपिपुषयउ  
 भवमेठवउयेष्टभा॥ ०७॥ इहु  
 उःभुगतीभगुलेभुपमभुपिउह  
 डिपवनेमुडःकदभःपिमवेयध,  
 यमिनभगुलभुभुठिभनेनठवउउः  
 केनकीयेउएगउभुभकइउयपुष॥ ०८॥  
 पु॥ वहुमिपिभभनेभुपमभु  
 पिएउभुहुलिउभुहुलीविउःभउः

०२



भुगति, मृदुषा न कर्मणि कृः शुः, मृ  
 मृदुतः, यथा कृदभा नं पिमवेलेसाः  
 धवेन न वयुने मृदुतः भवेत्तु तति न भि  
 विलभाति, एवं मकेन मयमि रुके भुगुल  
 धुमय मति मउ भुगुति भाने न रुवेउ  
 उभृएगउ भुमेक इउय भुम रुमेन य भु  
 षा भकेन फेउ न कीयेउ न केन मि विव  
 उउ, रुज नं विमृ भुम रुमेन व भुगुल  
 ग, गृमि भुम नि भुमः भुल्लु भु  
 परि पति न उ इउभा ॥ ०७ ॥ वहु भु  
 पि भकीयं भः भुलये भगड मपि, रु  
 के पथा वरु भुम प्रउ ये पभ मृग ॥ ॥

उपीडिकलक भडि भगवतु सुने केवलं  
 भद्र मृगुली ड रुति भउ उ इपि मद्रः  
 भकीयं भउ इले कि कभा फ डुपुगुः  
 भुलये विन मभु पगड मपि उउ व मृीक  
 रुडुवड गव प्रथः भभु विन निगुरु रु  
 गक रुन उगुरु रुन डीउ के पापि भ  
 मेन पवि डिउः ॥ १० ॥ भद्र भुम मव प्र  
 धि वि भुमे रुव डि भिउ, भवेउ पीम उउ  
 भउ भमि भुम ग भुम भा ॥ इउ न वेव म  
 इम रु रु भल रु भाने भुय भुतिः यउः  
 कनि मिम उ भभवे मे रु रु मं भी रु रु नि  
 इउ न भुम रु क रु पग रु पग लि भ

३.  
 ली.  
 ३०

३  
 ये







३ भवेत्तु गवें भुषाभिदिः कषे न भो ॥ ८  
 वरुवतु पंविमंडु मेव यउ भुडे भभा भूय  
 भउ उपाय एतं विन भु मे नैव निडे मि  
 डेन कषे उषा न भिदि भु डू क डू ३ः भ  
 मेदि डेन क भ म भि ॥ ९ ॥ मि वरु  
 भः भिवे क डू किं यत्र भ मये डू य भो  
 डे भि मेव भु ए न भ पिये न भ उ भवेः  
 य उ ए व मि वरु भ भु उ ए व भ भ वि भु डू  
 भिवे क डू किं यत्र भ य भ भ मये डू ५  
 र भ न डू भ ये ठ वे डे व डू ॥ य डे मे व भु ए  
 न भ वे भु डू नी य न भ भि व डू मी नं  
 क म य मि भु न भि डू न भि दि य मे व ड

३.  
 पी.  
 ३३

नं भ भ उ भवेः भु भ य भु भ भ भ य भु ल  
 म डू य भु क म न डू भ भ वे भु डू ॥ य भि य  
 ली ये भि न उ य भु व डू ॥ १५ ॥ क व ६५  
 डे व र ल भु ॥ भु लि नं पि ड वि गू ॥  
 गू भ भ डे भ क व डिः भ वं भु व र ए डू भ भो  
 क व डे व र ल य ए भु न भि डू ॥ भु लि  
 नं भ वे भं पि ड वि गू ॥ पि ड डू यः उ भु  
 व डू क ७ डू डू भु डे ए भो पि गू भ न डू  
 क व डि भु भो ॥ भु उ ए व भु व र ए डू भ भु  
 भि डू भो ॥ भु न न भ व भु भ डू ए ० ग मि भु ने  
 न वि भु ठ डू क क क ए व प र भे भु रः य र भ डू  
 भ वि डि मि व भो ॥ १७ ॥ ड डू व डू भ ठ डू डू  
 र म भ भु डे वि व डिः ॥



ॐ एगकिमभव भुवनेवृत्तएनेव  
 नठवडिमभकिमपि. उंभनरेडुचंय  
 मउरुकेपरेभेभुमे॥ एगमकिइयंले  
 कउमे॥ उरुमभिमभनकिडिउडि  
 लक॥ मिमरेकडुपडउ। यमभनः  
 भूकमभयड मउडुचंउमेवउमभमथ  
 रेवडिगिऊः केभुनकिडिउ। एगमपि  
 भुडुपेभेवेडियवड॥०॥ शुभिमककेस  
 रभंभकडुचंएगडुमेवेडि, वभुवभि  
 डिमेडिडियमू उरुपियमूव॥ ॥  
 भकेसुगडिभुयुग। मककिउ  
 डुयमभुनंमपिभुनेवेडिवसुवे

नेडिवभुवपगभडिकमेवेडउ। उरुभेव  
 भवभुडउउडिडुमेडिडिययमूभ  
 यमूव. उमेवभूकपीडुयडुनेवेवल  
 हूउडिभिड नयुकेवेडुः केडिकभल  
 डकभलडडिडुयेनडिडीयेयमूम  
 केमरुडुनेभुयेएवमिभउडसुननप  
 रः॥३॥ डिडुवनपिपडिडुमपीकय  
 डु॥ भिवभूडिठडिडुमः किभिवउभु  
 कलंसुठकडु॥ ठवडिनमठवडु॥ म  
 ड॥ ठवडुमः मभवेसयुगनिडिभुडिये  
 गेमभा डकेडिभुनेवमभयेडिडुवनपि  
 थडिडुडुवः भः शुभिमडुमपिडु॥ भिव

३.  
 ए.  
 ३२



भूतिठडि, उभुउषाभूतिठनलकलभ  
 सुठककलठवडुलभुउठवडुडिंवि  
 नकिंठलंनकिडिडुडिनिडुभभीडिय  
 वड भूभुएभैवभूभुडग॥७॥येनै  
 वठवडेभिविठिंकिडुनपिएगडंभू  
 ठवडु, इडिडुभुउभडेडुउकडभुभु  
 डिन उवभुडिवरः॥इडेठिंकिडुन  
 पिनभुभचभुभुकुमैकडुपडुगएग  
 डंभूठवेपिवरुडभुवैवएभुयेनकोउ  
 नडेडुउभुविमभनभंनगमिभुपिक  
 मभउवभुडिवरःभुइमिठमठवडनभि  
 इभैवभुडभुडिडुपडयठभीडयभडउ  
 भुडः  
 इडुः २

[illegible]



३. ३५.

६२  
पनिभीलने



उव सिउेभीह रुपेनडेउर वंयेहं, क  
 लयभभयय, भवेउभं मंथलभभवे  
 मभयीभा॥ ३ ॥ इकुल्लसमभियमय  
 भकउरुवभभूमिउ निभभाउमुउर  
 लियति, वंसउरलपडिउ निएलैक  
 रुसापकु निभेडिकभलि इभिरेकुद  
 डि॥ मपिमयभभभकउरुवभनउरुं  
 उमुउरलीहरेकुहंभनडि, यतीडिडि  
 रुकुड विमिउभडिपडिडिउ, वंसउरेह  
 रुउरुभःभभुः॥ ७ ॥ किभिवनलह  
 उवउरुउरधिनभएनैः, रुभभिकेउव  
 मपिमयेउवभभिरडः॥ मिसिभभयप

३.  
 टी.  
 ३७

मेपयउवठरुभेभभभउभरुलिभा  
 रिक्भयेभियभविठरभा॥ केउवहुए  
 मपियएनभुवनभिनउउडिकेभुपे  
 गउभुरपिकिनलहउधएभभुगहुगीधु  
 भभगिहुउउममयेहभुकमहुधुडा  
 व, येउधभभउःभउउमकुयिरडभुग  
 रुवधभभभभयभवडे रुमिमिभभय  
 पमेपयभभउधभभभिरग उवठरु  
 यवभभुगएउउधभभभिकेविठर  
 भयेभिकउभरुलैकलकलिउः, मभ  
 यभभयः, यकुहुभयेलिभभिविडुडि  
 पुकु मपिभभडिगभभभभ, यभेभभभ

३७



मुकुटिः ३ भक्तली श्री भक्तु मिव चक्रधि  
 गति गुरुली की भिक्तु दूत पिरे धुतिर  
 दुहु भिरि डि घुते भं दूत भरं मिम नर  
 लिभ मिप पान भक्तु य निग भ भं उं कुरु ये उ वि कु डि  
 भक्तु भ भं उं उं उं उं उं भं भं भि न स  
 कुरु मिम पी फि उ मि डि भं उं उं ग व वि डि  
 वि भु भिव ठ डि भ भ भु ठे ग स उ भि ह रि म  
 ह क उ भे व ॥ ०० ॥ स भु स च स म दू सो प र  
 मि व दू क द भ न ल प र श्री भ व गुरु थ ल ल  
 छ न ल भ म्ही भ डि सु ल य प क र ह भु  
 नि प रि ले क र म न मी ले ग म दू दू क सी  
 क र सु वि न म य सु ठ र न य दू भि मिं थ  
 र भ ॥

लिभ मिप पान भक्तु य निग भ भं उं कुरु ये उ वि कु डि  
 भक्तु भ भं उं उं उं उं उं भं भं भि न स  
 ३.  
 ए.  
 ३३

उगु लि की भ वृ मे भ वृ कुरु मि भ भु वी नि  
 क थ ल नि ल दू नं य भ उगु वि सु भं क  
 दुः स क य सु दू य भ सु ठ र न के मे ल भ  
 द रं थ र भ सु य नि क भ य भ ॥ ०० ॥ उं किं  
 न स ठ वे व य र ठ ग व वि म्भ उं उं भ सु उं ठ  
 वः भु किं भ उं भु मे उं न रं उं न म भि यं स  
 दूरः ॥ उं उं उं थ र भ सु र दू उं भ क स के भ  
 म भं मि उः भं भ रं र नि ग उ र मि वि प रः  
 लि थ भु दं के व ल भ ॥ उं मि डि उं उं उं  
 ठ व दू व न मि ठ वः भ उं मे उं न व उः भ क  
 ल मे दू र भ क सु र उं भ सु म श्री डि थ  
 व डि कु उं न भ सु गी डि भि ह भ व भु भ उ

70



नियमकडुपुंममिहउंठगवउत्तम  
मनउकममिउ। निगउरमिदिप्रउंइइ  
नेमभवेमानभमनउ। मुफंकेवलमि  
इरयमठिभयः, भयीयंमेकमिभुभा  
इउमेइलिउउइचमिमंडुमयमेवेमुउ  
मेकमुफउंवेकुलनीयवउउ॥ ०७ ॥

यहुधुइवरभुइइउउमःपीडएगभा  
इउएउवइभाभउंउरुभउःसइमि  
उवभिरः, उइपिभुइयमिमउउभ  
एकइमीमिंभुभवे॥ मेइडिमंभगेउ  
इउउमभुमहुःइभाभउंभाभुउं  
डिभुइडिलेकिइजिःवरुभउंविमुभ

उगभुभुउइमडि, कुभलपुनगुएवउवे॥ ७

ठिलमिउःभउउभभुयचउउंभाय  
भकइउउमूलःमिंभुभवेमिरभ  
वभुनमीलाय, एवीउवेएवीविउयभ  
कयभिकीमसयठेगभुभुउइरु  
इरुभलपुनगुयपरभानमभहु  
गयइइमगीमिपममिउउभुयनय,  
उएवभुइलीयइभा॥ ०७ ॥ केनभभ  
उउडिनमनपेमेयेनिपेपलएइः  
एकयउउभुएभभइभुभुभभभु  
उभा, उइभुभुयभभनेइविभयभुभ  
भुभउउभा, एवीउवेभभभुवेकभमलः  
मिइमीभुभभभयः॥ भनेइमिभनभभ



कंविषयः ॐ पुमीनं मम कुरु भूमे  
 पूरुमडिय भु ॐ भू ममल भिद्वीति  
 डिभूयुग एीवनेवेडिनेरुधपडिपिड  
 एीवमवभूय भवमभविभूएवडुरु  
 न्नाथरडिडियिमिरुडुनिविस्वाश्लथ  
 २ः ॥ ०२ ॥ नभेभेकभनपुतुपुंभननरु  
 कडल भवभूक सडिसयभूक सयेरु  
 लडल ॥ भेकभनपुतुपुंभननरु  
 कड भमिडुडुः भवनपीधेभभदभूक  
 सानडिसेडियभुषाडुडुः भूकमेयभुड  
 भेपुतुपुंभेभूक सनरुधपरेमानगुल  
 भठियनभिरुलडल ॐ डिसिवभा ॥ ०५ ॥

३.  
 ६.  
 ७.

ॐ डिडुडुविमभिडनभटेकुरुसेभुडेविव  
 डिः ॥ ०० ॥ डिभकक विनकिडिडिमिडु  
 रुवडेनभूडिवरुकेरुमि, रुवडेवदिभवभ  
 भुंडकषभभुपिडयधिनहुमे ॥ रुवडेरु  
 मिडुडुक सनेभलपरिध कसिकंभन  
 कविनकिडिडिवपिभूडिवरुकेकिडिडु  
 भि, यभभडुफकदहुठिभडंडुयेवहभु, उ  
 यधिकषभभुपीडिडुडुनेनेहुमेनभूक  
 सभेभकभिरुडुः रुवडडिकडलभभू  
 भुपिठवग ॐ कपीडियभूमयभभुवरे  
 यभभुडः, भूठवतुभपिभुडभूरु, परिध  
 सुयभपेठविभुकभा, रुवहडुडियेहे

७२



सुनेहसुहृन्ममकसङ्गमेवभूतंनिष्ठं  
 गितःममत्तइमेयमाकसमर्थेनविमुक्तं  
 तिरभूतमेवमेवहृत् ॥ १ ॥ कथंतेत्ये  
 रकसमपिमतेमज्ञनपसंख्येयःकन  
 पिभूतडिमफडंकेनापमिडः, उमेडये  
 इयभूलएलहृत्मेगीपिलतः पर  
 म्महृत्विभूवमभाउप्रवेचिकिरमि॥  
 मुपिलतः परममउमेहृत्किंकेनभू  
 कनेलेइयेइयेडिउडेहृत्प्रसयंठंनि  
 म्ममिमिभूपउयभूगिडयहृत्भूक  
 भूममभाउडेहृत्मेगीपिलतः, उकेनभू  
 कउमफडेडिनिहृत्किमिउरेभाडिउड

मिनामिफेनभूकसिडनएवमहृत्पि  
 लेकेलहृत्, कसमिडमभूवनयभा॥ १  
 म्महृत्उठवहृत्पभूभूडभाउउडिडः,  
 उमुलिउडेमेभडविमगडियसकमि॥  
 मभाउमभूवः उमुलिउभूवमहृत्नेनम  
 मिडहृत्डिडुहृत्मिभूवयः भडहृत्भूः  
 भूउडेहृत्विमगडि, मेहृत्डकहृत्भयः  
 परडहृत्एव॥ २ ॥ नउमभूवमहृत्मेक  
 हृत्पिमायइनकनपीहृत्वेड, उमिहृत्वे  
 मीयमज्ञनंनमनिहृत्नमकसुडेहृत्, भू  
 डेहृत्मेडिपरभूवभूडियेमिडयएक  
 हृत्भूकभूवभूडिहृत्वेभूकभूडिये

३.  
 ८१.  
 १०



डीरुनीभिडुमिकमयस्वभाकमिडुल  
 पीः मुकलकलिडडुग। डमिडुभाभा  
 वुभिरुभिडिभुगडुपुंलुनं डमीयंननि  
 डंकुडुडु, नभुनिडुं निडुडु निडुडुयेः ५  
 वभरभूडियेगिडुडुचडुकभाकडुग  
 लुपुयववकगडुडुडुः ५ ॥ डुडिलेक  
 नभभुडुमेडुभेयेगभिडुगियडीभरभु  
 भ, यडुमियभठिभविभुडुडुभुडुयभ  
 नभभनयडु ॥ ॥ डयडीडिनडुथगिभि  
 डुलेकपापी, मुठिभविभुडुडुडुभुडु  
 डु, डमीयंभुयभनं परभनडुयभभर  
 विमयंडुभविभुः भुभिडुडुः मुननंभु  
 यडु ॥

निचिकलुठवमीयभनभूडिडुल  
 भनभंभकडुभा, डलभडिविभल  
 निडेलयभेभुडुनिमवमंभिमभुडु  
 भा॥ कवलितविकलुडमीयभकडु  
 गभुभुविकभिडभनभंठिडुठं विभ  
 लगीडिएगडुडुगडुभालिडेलभा  
 डुमरिडुनिवडुनिमभुडुंरुडुभ  
 भलभडि, यरगभः भनभुनभु  
 धिविडुडुभभगडु, डगियभुडिवी  
 रडुः कलभभुडिभुडुंडुडु ॥ ७ ॥  
 ठगवठुवमीयभभुयडिवभनडुगव  
 निडुयः, ठवडुभिभुडुभुडुभुडुभ

३.  
 टी.  
 ७३



ज्ञेयभवनलक्ष्मिः॥५॥परमेश्वरनिर्या  
 महेन्द्रावनिवभत्रुतावकंडाभुता  
 श्रुतिविताभुवकुभिभुनिरुयःभत्रा  
 नियद्विउमेधुःभचरुसाभुभुयुयु  
 परःभुभा॥३॥रुवमदिभुभेरुकेम  
 पयिलीनेगलिताथैभलः,श्रुतिभरु  
 भप्रथयेगाःपरिहृषेविमोयभिसुय॥  
 मदि भेरुकेमभुयुता उरपरितःभभता  
 लीनःसिधुःभत्रा उमुय विमोयंभम  
 द्दमंडमरुतिठगुवेयभा कीरुकाग  
 लिताःसातामपराभुभगीयुसैधरि  
 लभहृतिगिताभलकडूयभुतामुका

३.  
 टी.  
 ७३

यडिभिरुंहुसंभप्रनभुनरभभेथये  
 गेनभुभनेनपरितभुभुः॥७॥यभ  
 मभुभिवठवदुसभहुल्यउडिः उभ  
 धुवभुभमिउंभविपानंउवेमिउभा॥य  
 भुहृतामभुभिवनउनिहृकठडिये  
 गेनभहुल्यउडिविकल्यभउं,भुहृकव  
 गवलेथभभभभनलिहृजापरिगदि  
 उभकलनरकथाउभिकेपिहृमभुभुः  
 उमिउभितिउवभरुडिउपरिभति  
 कभभा॥१०॥ठगववपरायेकि  
 निताभेरुभेनमेउभा,भुलठंभकले  
 पमयिनंभुभभुभुधिविथयभभिकि  
 भा

७५  
 ३३



३१

किमभिभूतं भक्तलेपमयि न भव गत  
 भवभुलभभृष्टिमेतभपिवेयं गारु  
 दुर्मेकदुभत्रवेयं कीरुमेनमेतभनिउ  
 गभडिमयेनाएकैवदुभभवेसठजेन  
 उक्तमिमपिठलेनमेठिलभेयभुडेन  
 मनेनविमभलनभृगुज्जिककज्वैपरी  
 डेननिचाएठजिऊ॥ ००॥ इयानि  
 कउंभवेदेयमेउमेवउ, इमयेभभपमे  
 यमिहयेभभभदुः॥ यद्विद्विद्वैरु  
 भूठठिहंविनदेयंउमेवदुमयेभूठठि  
 हउंभभृगुपमेयंभभभदुउडिभव  
 भभृमयभउडुभा॥ ०१॥ ठवेउउरमा

३.  
 टी.  
 ७२

विठवहउंभूठवमुएउयेवप्रलिउंउज।  
 ठवेउरफिरधठवभएकसभीमानठवे  
 इभमुउव॥ ठवेउउरमगिठुइमेहोन  
 भिउंयसुवहउंउमुएउयभृणहेनैव  
 भूठमिडिप्रहउ, ठवडिउइहोनठवउभु  
 भूकमाइनेवफिरधभूकमाइनेवफि  
 गभृभाठवःमुठवभएपिनठवडिउ  
 उःधनःभभमुउभचभूमिदूकमाइनेव  
 भडुमहृषभूमिदूकमाभएमवेडि  
 मयेडिपनःमुठवेपिवभृभनेवेयं  
 वेहमिफिभूठठिहंविनदेयंभभभदुउडिभव  
 नेनठेमवमिनभजनउपपडिभूमि  
 उ॥ ०३

लिउं

किं

२८



निःसङ्गं निचिकलं सनिष्ठं कथं भवति म  
भा. कोटिप्रपन्नभीक्ष्ण्यदुःखमेव भवतः ॥

कुरु कुरु धिगुरुगुरु कुरु भवेत्तु  
कुरु कुरु धिगुरुगुरु कुरु भवेत्तु

मनिमंभमनिमंभवीति प्रकृतं भवतः

रंक्ष्य भवतु दुःखं भवति निमंभवीति

दुःखं भवति निमंभवीति

उपविकल्पं हेतुवत् निमंभवीति

भनतु रमिष्ठं दुःखं भवति निमंभवीति

वयमिष्ठं भवति निमंभवीति

दुःखं भवति निमंभवीति

मपमंभवीति दुःखं भवति निमंभवीति

कीमसंनिःसङ्गं  
वैयक्यं कुरु  
मन्त्रं कुरु  
कुरु भा

दुःखं  
उ.  
ली.  
७५

रभेष्टगीपराठगवती कुरु दः प्र ५

धुःखं भवति निमंभवीति

रभेष्टगीपराठगवती कुरु दः प्र ५

धुःखं भवति निमंभवीति

रभेष्टगीपराठगवती कुरु दः प्र ५

धुःखं भवति निमंभवीति

रभेष्टगीपराठगवती कुरु दः प्र ५

धुःखं भवति निमंभवीति

रभेष्टगीपराठगवती कुरु दः प्र ५

धुःखं भवति निमंभवीति

रभेष्टगीपराठगवती कुरु दः प्र ५

धुःखं भवति निमंभवीति



३.  
६.  
७.

५७



क  
 न भउभिउडिभुनय नउयेकिः नउ  
 प्रलकडयठगः भंठवडि॥ ०१॥ म  
 डिथगिभिउडुपभकं उंठं वंभुडिभुनय  
 मुन। इभेवविमुडुपं निएन संभप्रप  
 मुयभ॥ उंउभिडियं कं मिडुभेवेडिउभु  
 भूकमभानडेन डडुपडउ विमुडुपभि  
 डिभूमेपिभुनय उडिभुनय प्रलंभ  
 सिडिनिधुय संभउडुपउयम॥ ०३ ॥  
 ठवमडुगउंउभेवकभनः पदएडीभु  
 भऊभऊभा। भूडउ कडिउभुनेउभुभ  
 भमेमु पडिप्रदउ पडैव॥ उभेवेडियं  
 भठिलभिउभऊंभनः पदएडिउंउठव

मडुगउंमिभुयडेन उडुभउवेभुभठि  
 लभिउभऊंकिभिडिनपदएडिउभउ  
 क, यभेवं पदएडीउडुः। एवंभउभुन  
 भूडउ कडिः कमिमिभु विथपउठव  
 उ। भभमथैवमिभुन भुडुपलिभभ  
 गउडु पडिप्रदउ, मुनेनेउडु, भनभि  
 यभकमिपदएडुभुन प्रलंभुभभ  
 एवभऊभुभिडि॥ ०७॥ मउमः कि  
 लउउवउठव मडुगवकैभुनेवमडुभ  
 य, मुपिकलिकेभुयमउः पडिथ  
 मुडिठवभुः भऊगु॥ येकलिकेभु  
 यपिमउभुभउठव भूडुपुऊमउठ

उ. डि  
 टी.  
 ७१







वरुणीयडंगडः॥॥<sup>१</sup>मेऊकल'येहव  
 कोरेपिठवडमिऊयभुयस'वयवेऊक  
 ल्देऊमेनभुउभुसभंभूडिठ'उभूडिठ  
 भडभा,नभनभुऊयभविमिडभुडा  
 वभुपा'मिडेउडेन'वरुणीयडंगडः॥ १३  
 भनभिमुरभेनयइउइभुसगइभुनभभ  
 गेसरेभु,भुभुडिभुवलेलाएवयभुइदि  
 मद'गउरःभरुठवेयभा॥यइउइडि  
 द्य'मिविभयेभुभुभुडिपिगुफ'भुव  
 डेपिमवलेलेलभुएःयभुइदिमद  
 इमज'उइमउ'एवभरुभुभाएवम  
 वेठिउरुभः॥१४॥ठगवठवमिमुये

३.  
 ए.  
 ७७

वरुभभुवरुभेभिम'परभुन'उसजिनीक  
 सभेभडस'धिवइविभुंडवपसु'भिनए  
 उमिइभेउडा॥ठगवमिमुयेवेडि'एवक  
 रे'भुउइड'भ'क,उस'भीडि'एवभधिरु  
 भेल'भुवइविभुभुन'परसजिभ'नभा  
 एभडडिइड'न'वभेमिउमेक'मिभुभ'उ  
 भुयःएडिडिक'ममिमुइ'नेनपसु'भिन  
 भ'रुय'भि॥१५॥भभुइक'भुंभूडियेठ  
 वउंभुइक'भुप'मवलेक'यडि,उस'भ'दे  
 किंउरुप'भुउंभु'किंभ'पनं'व'दलिउंठव  
 उडा॥भभुगुइक'ठकि'ठवले'इडिउःभु  
 इड'भुप'मिडि'विभयं'विभयभ'भ'इकिं

मजिप'उभु  
 ४/



उमिडिउनेवउठएनवउंमहंकिंउरुय  
 नमिहमठिउमभुहम॥७७॥ उव  
 उवउयभतुठवमुवेनभठव, उषाकि  
 डिमधुभुनकिडिमुवेउट्टु॥ येठव  
 उउठिणीयउ, उमभउमयउठववि  
 मुभानठउ, यमुनकिडिमिडुमुउउउ  
 मयउंविननकिडिमु॥ ७७॥ यउकि  
 डिमपिउउकिडिमुधुभुकिडिमुवेमभ  
 चषाठवउउवउठवउचउठवडिलमु  
 प्रएउः॥ लेकेनकिडिमपीडियकि  
 डिमुनेपामयउयकमुउउमभनकिडि  
 उ, मुपिउभवेठमभयनकिडिमुवउ

३.  
 ८१.  
 ७.

यडुपामयउयठिभउंकिडिमिडिठट  
 उउमभकिडिमुवेउमभउंभनठवेक  
 भगिकंवरुभचषा, यमुलेकेकिडि  
 डिमुनेउपंयउमभुठिह्मनत्रकिडिउ  
 ठडि, यउठमभयभवभुनकिडिउमय  
 हभेनकिडिउमभुगडि, मभाउनकिडि  
 डिडिमुकिडिमुवमुलेकिरुवडिपदमे  
 भडुमिहउः, एउवउठवंमिडुपःम  
 चउलमुप्रएउमुठवडीडिमिवभा॥  
 उडिउमभुनवेमभभनिमुमभुउइवि  
 वडिः॥ ७७॥ डिमुभुइकउगमिउ  
 मरुमभनविमिमुंमडुफुमुइंउठः

मुठिणीयउ

82

ये

॥



[illegible][illegible]



मिमंभुगुपभित्तमपीडिवङ्गीउव  
 म्भेममिपिपड्डुडेवमेवयपकभि  
 उडिअङ्गभपिउं पविमिहृदंभभवउ  
 ऽहउउविम्वमंमिन्नयंभवभृद्दीयं  
 भुपंनिम्लंभूकमयभळगय॥ १॥  
 एउमवममपमभिलमिडमिहृद॥ ॥  
 उवकेवप्रभिविमुनिहरेमिदुपममभ  
 येनिगहृये, डिभूतःमउउमजतःभूतंणीवि  
 उंमिउमभमवृमभुमे॥ यदुकमउउदुक  
 मउपमेवमदुकमिउमदडि, भूकमभृ  
 ममेमकलमिकंभूकमभनडउरु  
 पमेवमभूककंनेपपमुउऽहृयउमिहृदं

विमुपुपडं, मिमल्लमल्लःभुपेनि  
 हृयेविनमिनिडिभूववज्जमभडेज्जे  
 वमभुपुंमभडिहृडेमउरेडेमनिहृ  
 भूवउंहृदः, भिडिभुउमुभिलठः  
 मज्जउमकपमभजहृपुडभा, एवभउ  
 गहृमिहृनेमिदुपडभिडिवङ्गम  
 नेवभुविषयभनमभुनडि॥ १॥  
 ननणीवममिदुभयेठिभनमभृभुकि  
 मिडीभुउऽहृमदुकुदुपेवभिउभृ  
 ठिभनेभुलेकिहृमभङ्गयउउदुङ्ग  
 एवऽउमभउनिगठिभनिडिपिनक  
 मिमिडिवङ्गमभृ, उंभुवेदमभमेवउ

५॥

४६

३.  
८१.

७३

मि



पवचुडिउभिभुठगेभिकेपरः, भइ  
 मेभिएगडीडिसेठउभानिउडमत्र  
 गिलः परभा॥ इमत्रगिलभुइभवे  
 मेनभुभुडमैहअपरभिडि, उभैवनाउ  
 इरुमगपि, रंमः भवइभुडरेफभा  
 मफभेवउपवंभिमइनभुकमः उभ  
 डुपेल्लयुजः पडुभभुजइममिनीभु  
 भइउयभुभेभि, भुठगः परभानम  
 भेल्लुडुनभवभुभुफलीयेभि, उकिं  
 उडनभइभः केपगेभिनकमिडा भये  
 वमिमइनविमभुइभइगडा उडी  
 मसीभानिउभठिभानिडुमेठउमीथुउ

३.  
 टी.  
 ७७

पुहवभुनवेइइठिभउभइमवडी  
 मविकल्डपिभलितेव॥ यमेप  
 नपमउरुठुठुः भुमडिकेभुडिः, उउ  
 भुविकल्डनंवेभएइइभुभिगडि.  
 इमत्रगिलियडाएवंभानिउपिमेठउ  
 उउः॥ २॥ मेवमेवठवमइयभडाए  
 डिभंकरल्लवएभन, उइयभुडप  
 मउभंविमभंठरुभमरल्लमेमिउभा  
 केमेवमेवमेभपिपडेठवमइयभडा,  
 एउभुमैहनमभुषायः भंकरल्ल  
 लवेल्लययउयययभुडनंमि  
 कइनंभमउनंभंविमभंभुभगीष्ट

85







३.  
ए.  
७५

नाष.



३. ३.

88



३.  
६.  
७७

[illegible]







मङ्गिपरिभक्तुधः कूभेल्लः मुद्रमे  
 पिदिभंविउडेनहवाडिउरेनभाधिरु  
 डिभंकरमकुवियेगः भनउनेडेनवले  
 उःपियमयेकयः यंरुभहवकरः उषम  
 मीधचमभुधुं, भहपगपिधडेनउ  
 मीनभूरकडुः उमुनिवडेः सुभुडरु  
 ठिउभपिपडुपेडिभाधिरुडिभंकर  
 लंविधदभुडेनभुडिधमनंमिमयेडन  
 कूभउधरभउभुकमनय ॥ ०१ ॥ नउध

रभेसुवकुभवठिउनभउनभभुसुसुडे  
 भायधमेउठेमविप्रहठलिउकसभ  
 उमिहसकुठेमविप्रभभउयभाफ ॥

३.  
 ६१.  
 ७७

॥

येविकल्पभिरुभउभउलेपसुगीमनि  
 पिपलंठवकुधः, सुधुपकपरिप्रडिउ  
 एगहभुनिहभुपिनः ठडेठयभा ॥ फ  
 रंसउभउलेभुभयसउभविकल्पंठड  
 कनभनभिरुडिधिरुगेसीठेगी  
 यभसुवीदभिरुयेयेगिरीठवकुधभि  
 सुभमेवठडपसुडिउठेलेमेमीलननिमीलन  
 भुडिठिभुवकुभकुडेडि, मसुभउधमे  
 लमिमेहेनपरिउः भभउडुडिउभुठेम  
 भाधमिउएगडिठेमविप्रहठलन  
 विहभुपिनः धरभनभपनभुठडेठयं  
 नठउमिमेवेडियुभभंभुकाउनेठवधः

॥



प्रयत्नमलठजिसालिनडि॥१॥

उभमेवसुयसुभिंपुसंभवक॥ ॥

कठके विनिविधुभीमडेकलकुए

मपिममकभाउभा, सुधुपाउमभाउंठ

वसुधुठेरुवाडियमिरेमडेनमे॥ कलकु

एभकविधमपिउकठके विनिविधुं

कमकुमकुउउयभिउंठुमेठमेनपुसभा

नेमेभकभाउंपरमहापिपुसकुडाउ

कुंफिविधमपुभाउयउडि, सुभाउंठु

पाउमपिलकुमपियमिठवकुधुधेठेरु

वाडिमिंहुयसुसमभमकुमकुडिउमवाधु

वसुधुठेरुमेडेनठिलधधसंभमेडि

यवडा॥०१॥ एवमकुयभभवेसभा

इनिभमेमिडेठेरुधुवक॥ ॥उडुलप

भयगुगीडिकनिहयकुवमेधमेठि

उः, सुभमपिठवरुजनक्रियपुयभी

धगिगउमयःभम॥ भभवेसवेवसु

मठिभवनभमुरतीठिभुडुलपम

यीठिठकुजगगठिहसुनकुठिठ

पुगभुमगठिनीडिकठिनिहयकुव

मेनेधमेठिडेडिभुमगरुमिःसुभा

सुभापीडिसुधिमहाएउमकुउयठ

समजनक्रिययवपुयसुधपभवनठ

याधगिगउःश्रीठउसुमयसिउंयसु

उ०

ए०

०००



उभयपुत्रिगः मधुसूतमुमयः सुपुंये  
 नउषकुतः मरुभुभा ॥ ०३ ॥ नउमलभुभ  
 भवेसमभकुपेपिकिभकुंयेकुयः मभा  
 वेसककुपेभीडिमहिदेवद ॥ ॥  
 गंदिउंनवउथगेभसुंमकुउगयिउंउ  
 षममे, मउमभुभाउनिहुंनवप्रः सुंनथा  
 उभउमहउउष ॥ ॥ परमेसुंमभुवीदि  
 उंनिलभिउंनउ सुंदगयिउंकलयि  
 उंनमकुउ, उषममेभकुमभाउनिहुंनभा  
 नउपुनंनवप्रः सुपुंयेपाउंनभयिउंनउ  
 भपिभुभामीरुउभपिउंनउयषरुमि  
 निचिरभंपाउंन, उभउउंनकीकेडिउ

नउइंनकुभिभवपुंयडीउउयभमकु  
 ॥ ०७ ॥  
 उरुः, यउपवेउउः, उभगयभविकल  
 भकुयंभुपुपभपिलउपभुभा  
 सुविसवदभुभमभचमप्रएयेयभठि  
 भंभुवीयम ॥ सुगयभपिउंनकुभविक  
 लंमिहुपभकुयभठिभुभा, सुंभचभ  
 डीयंभुपुपभपिलनंभउभुभयनभ  
 उंनंभुभभभमीलं उभविसन  
 कउभमथगठइरिकभुभिवदंभम  
 प्रएयेयं, भप्रएहुभगल्लयउडिभि  
 उंनयेयंभठिउः मभउइभुगठेय  
 गभभभगउयभुवीयेमेडिमिवभा ७ ॥

३.  
 ८१.  
 ०००

२३

३

॥



३.  
क्ष.  
००३

84



पंयकलकुपंउरुहकनरयभु कल  
 कुपभातिउपउयेकुहउ, नममकलकु  
 एगलेडेनठगवउःभवभंनगडिऊर  
 डंअमुउं॥ ३॥ एयभउडिमकुहमिउ  
 मुलेलभकु, एयेसुभाइमिमुउथ  
 एदेमर७भुए॥ अउभिमुउसुह  
 डियाउपःमऊयमुहयभु, उषकुउ  
 नमिउरभंभगमुकेनमुलेनेलभकुः  
 पालिदभु मुनेनमडिउयभुठगवमेक  
 पीनउभउभा, उसुभाइमिमुकुःभ  
 येएनंयहंभकमउषकुउ, मुआवभ  
 एदेमर७भुएयभु॥ ४॥ एयमेठम

भुगुग

उभुमिलिकेउरवभचर, एयैकएडिक  
 कीलगहउउठभक॥ मिठःभूक  
 मल्लमरुमयःवभःभुउपं, मुलेकए  
 एएवएडिकउउकी७ययंगहउडि  
 भुमेवउठभयेन, उषकुउंकमिगियभु  
 ठगवउः॥ मिगभिठभहभवगीउम  
 व॥ ५॥ एयकीरेभपदभुहउमुय  
 मुलेपन, एयेसुभाइमिमुउथ  
 किमउन॥ कीरेभपदभुभुभाउय  
 यंहउमुयंमुभभलेपनंयभुइभ  
 डेडेउकुउकुहभुयःमेभवभुकि  
 भुहउयेभउनंयभु, गंसुभिमकुएह

भीट

मनुकतिः

३.  
 ८.  
 ००३



नंरुधुप्रिगिडिहगभः ॥ १० ॥ एय  
 कयैरुमीडंमुकनभमसमंसुय, ए  
 यगहभमरुविस्सुदठिभेमन ॥  
 मुकयय<sup>भ</sup>मुदभनभुगकष्टःमीडं  
 मुकनयःभममेवमुपेठगवनेवभं  
 मुयभुष्ट<sup>भ</sup>मुकयैरुमुपडग ममुकन  
 यगिठगवडावैउडुभभडुडैवभमुउ  
 गहयभमरुविस्सुदठिभेमनंयभ  
 उडुमिकैवरुभे ॥ ११ ॥ एययगह  
 भंभजपवनीरुउगेठन, एयठगि  
 भमरुगुगुभीनियउभविणे ॥ मुयय  
 डंपमभुडुजेनयविरीरुउगेठनंयेन

३.  
 ६१.  
 ००२

ठगवडवभवाकनेनयेवभठःपहुंभु  
 धुभुउभजडगेएउपविउभविगीडं  
 ठगिभमिगुवडुयंगेभुंनियडेवभं  
 ठवीभविपिदु ॥ ३ ॥ एयभुमुउ  
 पेवमविभुलभुडवलिम, एयगे  
 गीपगिभुडुयेभेठगुठएन ॥ भुमु  
 यकीडमुपयकउउउभभवेमनमवि  
 भुलभुडवभुडवलिमयेनकीड  
 भेडेठगवडएभमिविचउंयउभुल  
 वरुमिरेमुमेडुकिविभमुडुभुमिडिभु  
 पवःभिमुडुभुमिडपरे, डमभउमुगव  
 उःभहंउपमिडपरे उमुभमगवउः।

२०

५१



भुजङ्गुडिभानचिः

रुवः॥ भुमिभमहंउभुपुठवहयव  
 इमनमीयउः निरुसुगमेह उभुमि  
 ममलेरुपलभालयमिभमविणउं  
 मभनभह्ययभ, परभसुगह्यवडिठि  
 रिदुमिठिमीकमेभ्रीयउंउडिमउमंउ  
 गभेऊयभडि॥ ००॥ एयभवएगह  
 भुभुभुह्यउवैठव, एयइमनपदउवि  
 सुसुगभदेसुग॥ भवइएगडिहभुय  
 भुभुभुयनभभगह्यनडियमजिहभिम  
 एभभुवकुपयह्यउवैठवंहपकउंवि  
 उंमयभुयमगभः॥ नमइह्यनवइइ  
 मसुउएउवःकुमिउं ठगलिइइउं



विष्णुं उत भक्तं सुखं एव गतं, उत उत वदन्  
मीनं विदुः हिमं नन्दं उत भक्तं सुखं भक्तं  
नन्दं भक्तं भक्तिरूपं भक्तिरूपं भक्तिरूपं  
विष्णुं नीतुं पदं पदं गिरिद्वयं पदं पदं  
विष्णुं सुखं उत वदन् सुखं उत वदन्  
द्वयः ॥ ०० ॥ एतद्देहं भजे सुखं  
भव भक्तिरूपं, एतद्देहं भजे सुखं  
भव भक्तिरूपं ॥ देहं भजे सुखं भवे भक्तिरूपं  
द्वितीयोऽप्यस्य नन्दं भक्तं ददन् पदं  
येयम्, द्वितीयोऽप्यस्य भक्तिरूपं भक्तिः भक्तिः  
भक्तिरूपं सुखं उत वदन्, एतद्देहं भजे सुखं  
सुखं भक्तिरूपं भक्तिरूपं भक्तिरूपं

[illegible]

98

ममसुं



馬

विष्

ॐ नमः  
३.  
६.  
००१



गडुकमिप्ररुध॥भेकवुकुगएगडि  
 डिभिगएवुउपसंरुडठेसगुधिरुएली  
 वनेरुभुअकेदिगीयेमीपःपरभाउभू  
 कसकःभूककेभूभुयंभायभूभू  
 पएडीरुडयंएगडंविभुडएगडु  
 केनिउभूवडेडावमिप्ररुभेपिभूडभू  
 उधः॥०१॥एयरेकदिगएडःनिडु  
 एएलीवएलीवरु, एयभरुनभहेभवि  
 लभिवरभरुभ॥मेकावरुडडुमेरुदि  
 ऊरुंभचउमगीग/कंडउनिडुएउउडु  
 मडेएलीवरुलिनेएलीवयडिएलीवडुंल  
 भुयडियः पचउगुफयंमनिडुएउएली

उ.  
 ए.  
 ००३

वएलीवगएःभदिलेठवडीडरुनम  
 डुदिउडेपि,भडंसठडनंभानभंमि  
 डुभवनिमलडुडुभडडविलभडिउसुलीने  
 वरभरुभःपरभाडुएकंभसुमेठभ  
 नसुहेभमगीठवडि॥०३॥ एयएभुन  
 मेरुगएडुडुवगिगीसुन, एयपापिभ  
 निडेकुपाउनेडुडमडुभः॥एभुनमंक  
 नकंडनेरुगडुलिडेपाडुडुवसुनभय  
 उभभुडेगिगीसुनेभरुदभ उयमवरुभ  
 उःयनभलभुलीडमि पापिभुडिवि  
 लयमडिगेमरेभुनिडेवविभभमसक  
 उडुग उडुविडुग उडुउ उडुउम

मिणभु

100

मिडी



कुभाउव सुठअमकउकुगिर, ठगवदि  
 लयसक्तिपउनदिपगधिधुठगवउंनि  
 मति, उकुपे ७७ क मफउहंअमुउ,  
 एयकधुउथः लिधुभनिमेवमुगभ  
 म, एयभचमसाउरुठकिभलेकले  
 किउ॥ कधुउथः लिधुभमेवगभुव  
 क मितिउः पेन ममुउ, ठकिरेकेव  
 उरेथयउहक, भचभुएगुमिमिसा  
 भमुउठनभुगुगएउठकिभलेके  
 लेकिउभमहउः॥ १० ॥ एयभ  
 भभदुभगयरीरुउनिएमिउ, एय  
 भुपत्रएनउललनैकभूयेएन॥ ॥

उकुदिधुका नमेगे  
 नउभेनकाउहमि।

उ.  
 टी.  
 ००७

५  
 पउभानकसाउभंविदुभगयरीरुउभम  
 भुमठएनउंभुधिउनिएमुमिउठउ  
 एनेयेन, ललनं, उभंनिहठियउं  
 येगकेभेवकभुफाभिडिभिह येगके  
 भेदुफः १० एयभनभिडिपुंभकउ  
 लेकधमनक, एयठउभमलेनली  
 लेहलभकेइव॥ भभुमिकउं भमभ  
 भिविनेमयेडिहयेनैकभवधमनभउ  
 भंमगिउंयभुठकिभमनभभवमेमुके  
 लमुलेलभुफनीयहभुमलीलीप ल  
 विभनेयभुउमकुउभेहलभेउउवभे  
 भदुभभेभिविभकेइवउथः॥ ११ ॥

०७

म

ल



एयएयठएनएयएिउएनएयभ

[illegible]

एयएयएयएयएयएयएयएय

एयठएनडंमिसूयडुनभचडभड

ॐ अङ्गुलिमूलेष्वङ्गुलिभुजभुज

इत्युपनिषत्सु विषयस्तु

अयं गुफिर्दृष्टा सुपुत्रेव भभुषीक

॥ इह भूतानां पुण्येति लिख्यः ॥ ५५ ॥

सुयत्रयावेमिउउहमयेनधुउंएयठ

एतेति सुयत्रये। उरुभयङ्गमेव सुतः॥

बेङ्गे ॥ वउउ, उउएयइमीहउँव, म्रष

धिवउउपरठउयभूऊनयविष्टमिञ्जले

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यदुमीरलभत्रयपत्रभेव लिङनिण

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

एगह्ने भुडभन मिडउ कुयेकुयेए

यल्लयदुल्लेधितुडुकिरभावेसवैरसुंअ

सयति हुक्कडभडलं निधमभवेक

द्वसालिङ्गभूकमनयेडिगडुद्वसमुद्र

विद्युतिः॥०५॥ ॥उमडेमुडमसि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ ह्रीं नमः शिवाय नमः

अथ योगिनः पण्डितः शुभं शुभं

एवमुक्त्वाः॥ श्रीनारदभार्यायकृष्ण

मिव भा॥

51



लङ्गल यति ये उल्लन विर्य ये गमद थ  
 सनुप गुरुः प र मे सु ग भुष उरु ग  
 सुध भ सुत म सिने ह ए र म ये धि  
 भति, भ उतः पुन भु म्भु ज ए व उरु ग  
 य उ ए व उरु उ ये गिनः प ण्डितः सु भु  
 सु उरु ग भु उ उ उ डि म व उ ये ए न  
 भा, उरु ये ग मे क उ भि सु डि उ डि, भ ए  
 वि सु भ ने ये भ भि डि मि भु उ ये गि ने नि  
 उ भ भ वे स भुः पु सं भ यं नि उ ये गे म  
 उरु म्भु उ डिः सु ने ये ग प म नि भु उ मे ध भु उ  
 प डि उ उ वि सु थ म वि र्य थ म म उ उ  
 उ डि मे कं उ वि सु थ म ल्ल ये उ नै उ उ

पा य उरु कं न र म डि मि व सु उ पं ल्ल न ल्ल डि  
 ल्ल न भि डि सु उ उ ये य उरु कं मि म न र म  
 न सु उ प वि सु डि भ उ उ मे कं डि डि य भ डि  
 पी य उ ॥ वि र्य थ म वि री द भ र भ उ  
 उरु उ मि डि क उ उ उ थ य उ प उ उ थ य  
 उ भ व उ थ उ वि भ ज भ र ए व वि र्य ठि  
 पी य उ, उरु भ उ लं भ भ सु व सु व म  
 क ठे म भ ज भ र थ म न र म न म उ र  
 मि भ उ उ भ कं वि भ ज भ र थ म वी दं ए उ  
 म वि ठि व भु उ उ भ यी म भ क म भ उ  
 भ उ उ प थ डि उ उ वि भ ज म डिः भ वि  
 भं क र थ य न थ म वी दं, म प गं उ वि म्भे



धर्ममियजिवसम्भुतिउत्तुयेमेवड  
 कर्गठमभुतिपडिः, भुङ्गुत्तुविङ्ग  
 गउवहुमयभा ठाडभउलेडिकउह  
 उम्भगपिथग्भमह्वरक्रियामजिह  
 भिउवउडुभा तवेविहृथाङ्गुभउ  
 इविमुडिपडिहभा, सुभुङ्गुमह  
 धामगठियेयेडभा कर्गलेनीलननि  
 भीलनइमेलेवधग्भमसुगवङ्गउडंभा  
 धिभुङ्गुगमिकीगसुभुङ्गुपावभुङ्गु  
 भा, तउसुभमचंङ्गुङ्गुनभेवउङ्गुउभीह  
 लभा॥०॥भायीयकलनियडिगगकु  
 कर्गउडिडः, मगडिभुगियिनेनसठिभुङ्गु  
 एगउडे॥

3.

८१.

039

कलमीनं पद्मं नृभनेन उचिउं इदु  
 डिपहृल्लयमिकल कलिउहृपकनि  
 गकङ्कभचकट्टभचल्लभभउपभूतिः  
 भुपिन सुनन, पन भुउ सुभापभल्ल  
 विल्लिठवडि॥ १॥ रुमतेव कभतेव  
 ईभुमैः भूलपनुभी, ठजः भुडिथमे  
 सुवेधमगरः प/षगेवडि॥ सुभीडि  
 मभवेममालिनेठज रुमतेव कभते  
 वेडिभचवभुवडिनेपिड भुमैरुडुष  
 उय भूलपडिभुयं विभ/सडि सुभी  
 एवभउउठजः भुडिथमे सुगएवेध  
 मगरः भेवभुकरउथगल्लनभुकरे



[illegible]

ॐ ॥ ७ ॥ त्रिविधं नमः श्रीसिद्धिं कुरु

इमज्जकः स्वयमपि दुःखिज्जठ्ठुभव

२३५॥ वि० भू० डि० ग० रं० म०

विदुष्युक्तः भूयः भूयः भूयः भूयः

मिहिरकुमजकेभेद्यभरुद्वउलीव

शुद्धैर्नरुवेयंभद्रवभिहः श्रुतिपुत्रि

ऊनेलिउठहु भवरभेनभभवेमम

भङ्गतिभूकृत्तेन्द्रमउद्गुडनन्निभवेयम

वाङ्मन्यावातुगठिरुहैवयन्नडिङ्ग

भीमरुद्रिथीयधरभप्रैउभभिउभा

॥ गणेशाय नमः ॥

हमदायिदुस्सु मय मय मु विउ

[illegible]

इति तत्रैव न उक्तिरिति मत्वसंशयः

भिन्नं यत्तुं रुजिरेव पद्मं क्लृप्तं विक

महोत्सवदीप्यमानमभंगभुरजितं

त्रिमलिनंभभीतिप्रचवत् ॥ १॥

यद् यद् कुरुतः क्रियेद्गुनयेभ्यः

भाष्यः अपाङ्गः किमप्युच्यते

तुल्ये॥ लेक सुठ सुठ उपतया भूमि सुठे

नयम् नयम् नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः

भानङ्गं चतुर्विधं चतुर्विधं चतुर्विधं चतुर्विधं

किमपीहमभातंयमभाज्जडुकंउप

॥ १ ॥ मरुमरुपिडः शुभिवधुः

३

शुष



मपि कश्चिः, मेरुते परमेष्ठमरु  
 मुक्तिविश्रुयः ॥ मधुवृक्षमपि  
 कश्चिः डिलेके हउंगदिउ डउः ॥  
 मिले छपि छक मिप्रविश्रुय म  
 पिप्रुठे, ठवमुक्तिभके मले र एर  
 एमपीमउ ॥ मिले छममिउं मिल  
 भा, पिछुं पकः कमिप्रुठे एर म  
 नमिले छपि छक मिप्रुठे र विश्रु  
 यत्रु निये मं ड एर म डि म व ड ये पि  
 यउ ठवमुक्त भके मले, डिमी भेलि  
 उम्रुप म्रुउ र एर एर व सुव मपी  
 मउ, ए सुदे छ ठि ठव ती डउः ॥ ३ ॥

मय द्रुयं ठवमुक्तं ल० ड एर म  
 मउ मेव विठे म डि के मि ड म ठिउः मिडः  
 मय प म म न ड मः मुद्रु मिड ठ डि  
 म म वे म म्रुल० ड म म्रु ड म न ड म  
 डि डि एर ड एर म्रु ड ठ ड क व म्रु  
 ए म्रु ड मउ मेव न ड व ड म्रु म  
 मि न के मि मि डि प म ये गि न म्रु म ठिउः  
 मिड, म्रु ड डि म्रु म व ड डे व विश्रु  
 डः ॥ ७ ॥ म्रु म्रु यं व व नी यं व ड म्रु  
 मि म्रु ड, मं म म्रु न डि ड म्रु ठ व मुक्ति म  
 क प म ॥ म्रु म्रु ड म्रु न प ड मः व  
 व न ड म्रु म म्रु ड म्रु व म्रु म्रु म्रु ड म्रु

283

उ.  
 ली.  
 ०३५



मन्त्रभा, वक्रभात्रः भवेत्तु यः मन्त्रः ॥ ००  
 नमो उक्त एतदयमुपि कथितं गिली  
 उमापीहं विदुषां सुभू सुभू भिनी  
 मन्त्र ॥ उक्त एतदयं गिली नयि क्वेवं  
 हृष्टं गेव क मन्त्रभा उभू विदुषां भिनी  
 भू भिनी परा मक्तिरिति भू उ उभू  
 उभू भिनी भक्त मेवी ॥ ०० ॥ उवमुवः  
 भू उव वी भू उव मुक्ति मभूवे, लवे सुभू  
 भक्त उभू उव मयि निगु पुड ॥ उव मुक्ति  
 मभूवे उव भवे मे उव मुवः भू उव वी उ  
 सुभू उव मभू भवे व उभू उगीय, य उ म  
 कति क्रीय एभू उ मयि य ग पुड उ

282

उ.  
 ए.  
 ०३५

लभू कउभा फड, हृष्टं वमुने वरुषे  
 गही कउग ॥ ०३ ॥ किमियं न भिदु  
 गउल किंव भू एं न भो एभ भू वडि,  
 उक्तिरुभमीयभा न मे पुं मभूः भक्त उनी  
 उवडि, मभू उक्तिरुभमीयभा न परं येयं  
 परं भू भू भू य भक्त उनी उवडि,  
 परा उक्तिरुपड भू भू मयडि किं न य म  
 उल भिदुषां पि उल नैव परैव भिदुः  
 भू एं भो एं परा नैव किं न, मभू उ  
 उवडि भू वे उवे उवः ॥ ०३ ॥ भक्त भिभ  
 लिभमीयभा न उक्तिरुभमी लड कभू  
 भो, न नि एत पि उव उव न भो रुभय उ  
 भं विदुषां य ॥

न



भलिनेदुङ्गनकलङ्किउभयदुङ्गनसु  
 मिउउमुङ्गिरेवभलिलडभचभिदिभ  
 अंगुसापनिस्त्रकएन उनिडिभ  
 मूर्त्तिकन भवेमेनभुङ्गिउग भचकङ्गपुनरि  
 परभानकभयन नउभिडलिभमि  
 दुपन किभियनभिदिगुलेडीमनी  
 भवेङ्गुग ॥०२॥ रुङ्गिहगवडिउवडि  
 रिलेकनयेनउभभिदिः, किङ्गलि  
 भमिकविगङ्गइवनधनेडिमिउभा॥

मूर्त्तिकन

28

उ.  
 ए.  
 ०३

वङ्गुडेउगपिमिङ्गुएनिभङ्गुभकभुवक  
 भेरुमुठः, वभयउपिविरुङ्गव  
 भनहेगिनेनिकएवभिनेपिलन॥  
 उङ्गुभडिमीधुभमिभउउल्लभउभु  
 भुकभुवकभुमिवङ्गभभगुभुभभु  
 येषं विभेरुभभेरुयेगिनउउउकिङ्गुध  
 एनेनपिवभिउविरुङ्गवभनन  
 सुभुनपिमुपिलनिकएवभिनेए  
 नवभयडि, उरुयधलेङ्गुपङ्गभरु  
 यडि वङ्गुङ्गभुकंभुवकः सुउसुङ्गभ  
 कावभुवकः भुवकभुपङ्गुङ्गभुभेरु  
 ठनपिवभिउनिकएभुविठिभे

एवंभेरुभभेरुभुङ्गु सुवमउ  
 कुएनङ्गुभुक



मन्त्रपित्रमयतीहृत्तन्त्रहृत्तः ॐ  
 हृत्तिगिभिकषयपिनकिफिद्विभ  
 हृत्तिभुप्रभमेधभा, यन्त्रममिव  
 रिपरेभिनिहृत्तयतिठत्तएनभु  
 भा॥ हृत्तिवृत्तः कर्त्तृहृत्तं य  
 नभ्रकिफिन्नभि, मभभुभयीयभु  
 यभंफरहृत्तिभमपिभकलभतिभ  
 पुभा, मभमिवगिपरेमिवमभवे  
 महुभेमभभुगएतिभुषयः भंफर  
 मभ्रिगिवगिभुभुः परेभुने॥ ०१॥  
 भंभुभहृत्तमिवेठगवतिभुगीठ  
 उज्जने, महुयं विलभतुमभुमगभु

२४०

३.  
 टी.  
 ०११

हृत्तः महुयः, गगाभिभुतिवभ  
 नभमिभभुभुत्तंभेभुभुत्तंभेभुभु  
 वडभुभुविलयेहृत्तवनेभव॥ भ  
 हृत्तः पभभगिभुः भवहृत्तमयेभु  
 यभुत्तमिवेठगवतिभुमज्जनेमिभु  
 मभ्रिपभभुत्तंभुभुत्तंभुभुः भुगीठ  
 वड, महुयंभभुभुभुभुभुभुभुभु  
 भिउभयः भुभुः किभुभुभुभुभु  
 भुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु  
 हृत्तंभेभुः गगाभिभुतिवभुत्तंभेभु  
 भमिभभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु  
 भुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु

भुत्तं



निःसंभमपमतिः उरुवड्डुएववि  
 लीनिकुयमिहः ॥ ०३ ॥ संभार  
 शुभदुरः नपरउरविविपहपिरुधु गू  
 नयधिरुगैवेयकुज यरुपिभ्रापम  
 कुहउउवेभिरय ॥ ५३ ॥ हरेभिरयः  
 समिपममर ॥ उरुतिकडेउभाहभु  
 मुक्तिमेडिउमेकरुमपमिमकमभ  
 केमीउमीउः ॥ भुदुरः रुमुधुधुपद  
 उः ठेगउडिउउभाउवेविवकिउएउ  
 कुरुमिडा सुभ्रीडिमेकमिधुभाहउउ  
 पः यउभुममिपममर ॥ उरुउंमम  
 जिपउरकउंमीधुंभंविदुयनंमुडावेउ  
 भाहंभुपंयय ॥ उरुउमेडिउयकुडे

279  
 निविधे  
 ३.  
 टी.  
 ०९३

पिडुभेवभेवभानः उभुकेमीउमीउः  
 मासुडीमरुभभरुः भुगुधुयभयीः  
 कविडिमिवभा ॥ ०७ ॥ ५डिसूभक  
 भफेसुरमाहवेहलमेवविमिउसे  
 इवहंरुकिसेइरभनिधुममभुडे  
 विवाडिः ॥ ०५ ॥ उिनकिडिमेवलेक  
 नंठवमवरलंभुडि नकिडिमेवठज  
 नंठवमवरलंभुडि ॥ ठवमवरलंभुडि  
 मिमयउडुधुपवर ॥ यलेकनंभं  
 भगि ॥ नकिडिमेवपिउविमुभेव  
 पदउभभभुमकिमरुहभेदिउउउ  
 ठज नं ॥ उनकिडिमेवनेवकिडिमिह  
 रुः मिवउउपदउभुममभुधुधु

ककुप  
 भवभेवठे  
 केन

वृव



लयउय प्रमेयीनउङ्ग ॥ ० ॥ मधु  
 पायउमभूतः महुलेधिविमेधलेः  
 ठकिठ संठव नङ्ग महुसुसुवठ म  
 उ॥ उपायउमभुउसुभुके सुनरिया  
 योगमह मिः विमेधले भुचहुउम  
 चकहुउमचमकिभयउ मिठिभंभेः  
 यवेउमभिभचमिधिवमः कयेगवि  
 उमिमउमभुउठवठकिठ संमहुङ्ग  
 उउं सुसुसुमेकपरभङ्गः सुवठ भउ  
 मभवेमेनभुगडि, यसुउमभूतः मं  
 ठलसुमभक संमहुसुसुठगीडिविगेय  
 सुय ॥ १ ॥ एयउपिफमभुउउलिउ म  
 पिफमभुमि।

278

नङ्ग

उ.

ली.

०१७

ठवहुकिभुय पात्रभङ्गः केष्टेवयकिठे ॥  
 एयउउडिठम भमीकरल नमभवे विमउः  
 मेहेफभडिविकभडि, लिउ मधीडि  
 सुङ्ग नेनरु, सुभ ॥ सुपि मभवेममं  
 भुग सुफि सुविकभडि, लेकिरएय  
 परएययेद भवउमभङ्गः केव सुए दुधुएव सुधम  
 यपरएययेद भवउठवडि केपीर येभउः  
 लेकिरः ॥ ३ ॥ सुधुके भवभिहुय  
 भवभुसुव पिउ, सुमिधुपरक सु  
 पुङ्गहुकिभभिरुः ॥ सुधुके भभवेम  
 ठकिरभगदिउठङ्ग, उरुमेठेगभेकी म  
 ठरुव मिचंभुमिधु निगडिमयमभङ्ग  
 सुधुं सुधुमेव सुधुं रिया विमेधले भा



<sup>१११</sup>  
 गेएगमपिउरुञ्ज। यभुङ्गभवेसमभुन  
 निरुंभन्तंरुङ्गउरवमुभुङ्गनिवडिः ॥  
 यमैरुङ्गउभवेयंरुवमुङ्गिभभभ, ५  
 टिउभुङ्गमीसमभावरपरिपुष्ट ॥  
 मुङ्गउभवेडिण्णकेदिभवेपुष्टिदि  
 उः मयभिडिभुङ्गमुपेठिङ्गभःभ  
 भवेसमभुभः ॥ १॥ ॥ ॥ भवेसमभुभः  
 गगिउरुङ्गउभवेयमैवेडियंभुङ्गउंभ  
 वएनभीडुङ्गः ॥ ५॥ ॥ भवेसमभुभः  
 भुङ्गभुभगेभुभ केवलंभउभकेपि  
 ठङ्गवेमैभुभभभ ॥ ॥ मुडिभुल यपरि  
 मदमियभुङ्गः मुडिउठिङ्गभुङ्ग

उडिडिङ्गः भउभकेपीडिवभिकुलङ्गी  
 उः ठङ्गवेमःभभवेसमवेवमुभा ॥ १॥  
 ठङ्गिङ्गीवेपिठुभेयंरुव यत्रमयीयम,  
 उभकेभयेरुङ्गमययंममिवडुलभा ॥  
 ठव यमंभभयठुभेयंरुभुङ्गभंभ  
 गभवेलेरुययभिडुङ्गः, मुत्रमयीयेडि  
 कषभियउंरुलंरुभुङ्गभभभिडिपुष्ट  
 डपभउठवेयभा, कभयेभुभेलेविक  
 भयभा रुङ्गभभभभुभुङ्गः भुंरुय  
 भिडिमिवमिवमभभभभःभुभा की  
 वभुभभवनभभभुङ्गयेठवडि ॥ १॥ वि  
 धभभुपिभुभुपिरुभभपिकभभपि,

277

उ.  
 टी.  
 ०३.

मु



गभीरीपि विमिडे पिठवयंठजिउः भूठे ॥ वि

समः धर्मभूपिसेनडे पदडे पिठजिउः धन

उषा भूमिपि  
ले किं पठे  
गभूमिडेपिः  
कविमूतः विषमभुः अमी प्रहृषविधु

उव, लेकिं भूपिः अपुपे पयुन

उषा वरुवभगवतुयं रुमत्रपिम

उमिडिक भलठ रुमदुहं भुषा

भंभरिकभूमिसेधु उषा फभवपिरुम

त्रपिमिगनीयडं भटभानभुषा लेकि

कहवफगगभीरिपि पयैरनलहेपि

विमिडुभुं रुमभुड उमिवभट्टनभुषा

विमिडेपि कसनभविपाड कुवभगेन

धूमिडिगपि गभीरः पयैरनलेमिडेधु

भु

रुमवृपिभूमिमिडुः धुभा उ ठउ

नंनभिमंवकुं उरुतुदमिवरकिः मि

धुमयउरुठवविचिकलं भुडिः भु

यभा ॥ भंवकुं भंभगनील मिममिडु

रुमिडुठवः भुयमिडिभकडुगंभ

पिधुनेन ॥ ७ ॥ ठउ निमत्रकवपिउ

वभाउकलैरपि रुधुडेवडाविडु

भीडुगेभमभूमिठिः ॥ उवनिमत्रक

वपिउपकउएनुपहुधुभभूमंभ

भउठवउठउ रुधुडेव, भुडडिडि

भुडुपाः पयभानकह पिंलठउएव,

भुडाएवपमनिठमिनीउभीडुगेभ

276

उ.  
ए  
०९०







274.  
 ३.  
 ए.  
 ०३३

यतिमभकुचति॥ मैहंमभिरुयभ  
 मयः, सुउठज, सुउठज सुमिवभूति  
 हवरेवकिह सुउठजिभूतः मभवेम  
 भयी, सुउठजिभूतसु सुमिव<sup>उ</sup>क  
 भयी॥ ०३॥ हउ श्रीकृष्णमेठिवर  
 उगेवफिठिवर, निधुडिमुद्रिवभूकं  
 ठज<sup>म</sup>नं हंउ एमे॥ उीकृष्णसः म  
 भूभुयेयडेहउ भुडेठिवः ठिवर  
 नभहउरेह एउदेउठवडिनउवभु  
 उः, ठज<sup>म</sup>नं उठमेकभद्रिगीयंभुउ  
 डुनिधुडिमुद्रिभूत सुमिव<sup>उ</sup>क एमेमी  
 भुमे॥ ०४॥ भानवभानगगमिति

यभूत

मभेठजिभं लैकभुलमीलउउमभानकषंठवेज

धकविभलंभनः, यभूभेठजिभंलै  
 कउलमीलः कषंठवेज॥ यभूठजिभ  
 उभानवभानयेगगमीनंमनिभू  
 केनिभूभे<sup>पै</sup>धमनंमगुवीएकलउ  
 धमनंउनेफेउभनः भूउंविभलभ  
 कलभूभा॥ ०५॥ गगभूभानुकु  
 धियेभंठजिडिभएउः, उभंभकी  
 यभभगेकउभहूनमलिनः॥ भकी  
 यभभभिडिगंयभुनेयभमयः, मभह  
 धिकं हूनिनंठज<sup>उ</sup>नंम, ठज<sup>उ</sup>नंम  
 गभूभानुकु<sup>उ</sup>भएय<sup>उ</sup>डिमेभः॥ ०६॥  
 यभूठजिभूभानपानमिविधिभ  
 यनभ

पूठयभू



०२

०२

2

273

३.  
ए.  
१३५



नंवधः भूकययति, उमेउमहेट सुयंय  
 सयेनभूकये यमयजंठवति उम  
 इमेवतिमुद्रकयिः भूउडुडुठ  
 यंयययमि नडुधरुभंयुजयः  
 भूठवति ॥१०॥ भकुरेवनिगकुरे  
 वउचवदिरेवव, ठजिभउडुनंनय  
 भवमभियुयभयः ठडुभउडुभु  
 मुद्रयेभंउभंभवउडुभयभयः उकि  
 भवडुडुनययति ॥११॥ अभिनेव  
 एगडुडुठवठुठिभउः भूडिठुठः भू  
 कसनफलभउमेवएगडुडुभो भु  
 भिनेवेतिभवएनउडिथेरेडेनय

272  
 भ  
 उ.  
 ली.  
 ११५

उभइयडुपिठिभउंलेकवमेवए  
 गडुडुति, उमपिभगुभनभेउमेभं  
 भूकसनय, यनभेव ११ गुडुठजिः  
 थरेठजिठुठिचिभभनसुग, इयिम  
 भेमिरेवेठजिभकिभभुठे ॥१२॥  
 डुगडुभुपेथरेथल्लभभयणन  
 भेमीरंनिगडिमयडाएधनयकि  
 भभुभभउंवरसु ॥१३॥ ठजिठुठिः  
 थरेठजिठुठिभभभुडुठ, उगंवि  
 नेभियडीठुठजिभुपंठुयि ॥१४॥  
 य भभवेमेवसुभुययति, थगंठीठु  
 यगमिठुठभभुडुठ मुद्रभनयेभं



५मी ५गि ५ल ५र ५गि ५ल ५म ५जी ५य ५जं  
 मे ५उ ५ ५५ य ५मि ५म ५व ५मे ५ठ ५नं ५भ ५व  
 व ५मि ५मी ५म ५उ ५। ५यि ५ल ५य ५म ५न ५रुं ५ध ५रुं  
 व ५य ५मि ५व ५रुं ५म ॥ ५म ५मि ५रुं ५य ५उ ५ः ५म ५व  
 मं ५मे ५ठ ५नं ५मी ५भी ५नं ५भ ५व ५रुं ५उ ५ले ५रुं  
 मि ५मि ५रुं ५उ ५रुं ५ध ५य ५य ५रुं ५म ५मि ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं  
 रु ५य ५म ५य ५व ५उ ५यि ५ल ५यं ५म ५म ५व ५मे ५न ५म  
 मं ५रुं ५रुं ५म ५न ५रुं ५मे ५व ५ठ ५व ५उ ५। ५३ ॥ ५व ५रुं  
 रु ५म ५म ५व ५रुं ५रुं ५मं ५म ५व ५रुं ५न ५यि ५रुं ५व ५उ  
 न ५वि ५ये ५गी ५मि ५उ ५रुं ५य ५मि ५ठ ५व ५रुं ५म ५म ५मं ५व  
 म ५न ५यि ५मं ५वि ५रुं ५न ५व ५रुं ५म ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं  
 य ५मं ५रुं ५य ५न ५वि ५ये ५गी ५मि ५ठ ५व ५उ ५री ५रुं ५मे ५व

मि ५मि ५रुं ५उ ५रुं ५ध ५य ५य ५रुं ५म ५मि ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं

271

३.  
 ५.  
 ०५

५मि ५रुं ५रुं ५मि ५ठ ५मे ५म ५म ५मि ५रुं ५मे ५रुं ५रुं  
 रु ५व ५उ ५यि ५उ ५रुं ५रुं ५यि ५मी ५ल ५न ५म ५म ५मि ५वि ५रुं ५रुं ५५  
 म ५न ५य ५उ ५ ५३ ॥ मं ५म ५र ५म ५म ५मे ५व ५रुं ५रुं  
 मि ५रुं ५यि ५रुं ५मे ५म ५मि ५न ५रुं ५मि ५उ ५रुं ५व ५उ  
 म ५मि ५म ५रुं ५य ५रुं ५ः ॥ मं ५म ५र ५म ५म ५मे ५व  
 रुं ५मं ५म ५र ५म ५म ५मि ५न ५य ५उ ५रुं ५य ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं ५रुं  
 मि ५मि ५रुं ५म ५म ५उ ५मि ५य ५रुं ५रुं ५मि ५भी ५ल ५म  
 मं ५य ५न ५वि ५रुं ५रुं ५म ५मि ५रुं ५व ५मं ५म ५र ५म ५म ५म  
 म ५म ५व ५रुं ५य ५रुं ५ः ५मि ५रुं ५उ ५य ५रुं ५म ५म  
 रुं ५य ५य ५म ५म ५मि ५न ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म  
 की ५म ५मे ५व ५मि ५मि ५ः ॥ ५३ ॥ ५म ५न ५म ५म  
 म ५य ५न ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म ५म  
 ल ५य ५रुं ५व ५म ५रुं ५म ५य ५रुं ५रुं ५म ५य ५गुं ५मि ५व  
 व ५रुं ॥ मि ५व ५य ५म ५रुं ५म ५य ५गुं ५म ५य ५म ५रुं



270

मृगमसिभुमिवमिदुग्वं वक्रभुमि  
 मभविमभीडियवडा, कीमृष्टा  
 नमनभुमयनभभुजभभभुविमृय  
 धनेनगदलनभुष्टमनेनकवलीक  
 गद्वनभंकरलभुमयननभुकुकेल  
 मिद्विमभमिनभनेलममभुगुजं  
 धलिउमहवहुउं, उषमभभुंमभुक्ति  
 भुविमृययउदुपयमेयः सुठव  
 ममिवय, उषवभूलयेइवेनभभु  
 भुडिमंकरलभपिमंकरलइव  
 हुमेयेनभठभयभडिमयंभुगहु, उष  
 धनेनभगदलन, मनेनवमिभुमिदु  
 भयवभु

वदिः

३.  
 ६.  
 ०३१

मंदरलभुनमिदुभहउकेकनभयनेभंहु  
 कंकवलिउंमभभुंमंभुगः

ठकलभुमयनेनउमवमिभुमंभुयमे  
 धमपिविमृयय, उषवविमृयभूलये  
 इवेभठभयभठयवहुभमेपि  
 गद्वः धनेनभंभभुमनेनभुः  
 भुमयनेनभुभउकरलनभभुजंभेप  
 ठेगपरीठउंमभुगभुमइवेवकिभंभ  
 मभुंमभदिंसडभभयंविमृयय, भूलये  
 इवेकलियउंमंभुपभभुलीनडकर  
 कीडयंभठभयभुहुजयभुगल  
 नमहुपिधनमवभभुनेभभुजंभं  
 ठेगुउंनीउंमभभुंविठवभुंविमृयय  
 भुगदभभुकुकेलयेइवेउठयन



269

३.  
ए.  
०३३

मिठमना ठाडिउषाउनेवभूकवना ठम  
 भानंभरुफुता भूक समभमभीहुउडाग  
 एवभाइहभकुल्यः भूक सभैवभउभी  
 एठः भूक साएव भिभइः अथगइ  
 ठिगिडिभिह<sup>व</sup>ठ डिभूक साएवठगव  
 कसमिव मिउथेठगीहउडिडिमिवभा ३०  
 डिप सात्रेमुन भमेठम भेइविवाडिः ७  
 डि मुफेकेपिएयडेभभ्रमुः प्रएभफे  
 इवः यडेभाउरभ भ्रमभ्रभ्रपिभ्र  
 हलभा ॥ एभडहठवभादिकः भ्र  
 मुगत्रभयः केपीडिभभवेसाइप्रए  
 भफेइवेएयाडि यः प्रएभफेइवाम



268

३.  
ली.  
०३७

भूनिवाधा सुधमाडाभूममलेम  
 डि, सुनमभरुव सुभङ्गमेवधुति ०  
 हृथगभिदिभुः भवेयेडुएध  
 भगः रुज्जं डमयः भवेभुयंभिभु  
 याएवडे ॥ येडुएधभहृथगभु  
 उवडिभुः, रुज्जं डमयः भवेभुयंभिभु  
 भिभुयः डमयडेनभुमभनडड १  
 भवमभचरुवेधयगपङ्कचडुपिल  
 भा, सुनडिडभविभुतुंयभभेडिभु  
 वडः ॥ यगपङ्कचडुपिलभविभु  
 केडीनडमेभनिडुं डं भवकलेभच  
 इयेविभुतुंनडमडि, एडेभभापिभु  
 हुमेवडुपः १

हृथगभडिभुभिमभुडुज्जनेडुवः  
 प्रएविपिगिडिएडेडुज्जं भभमभु  
 भा॥ हृथगभुभरुवमीनधुपलभ  
 यडि, डेनेभुभरुवहृथगभभु  
 डिभुभुपकभुनयभुडुज्जनेडुवः  
 भिभुभुयडुभभनभुवठज्जं प्रए  
 विपिगिडिएडः यमेडुभा निचिक  
 लभभहृभिमप्रएहृभरुवयडु  
 वभाएवप्रएविपिभुभभमभु ॥ ५ ॥  
 रुज्जं भभडभगविभुवडुभयभुभ  
 डुमुवरभपीयभभेभंभभन  
 भा॥ विभुवडिप्रएकडुहृभभडभ

३३



267

३.  
ली.  
०५.

[illegible]

मृग



समुदाचारमभुगमुपिपःभरु उरु

मीनभयवृक्षभाएनभयिकृष्णः॥

ठवडुल्लवभयभूमभभुगभनयभुपी

मतिभं भुञ्जन्ती न भृष्टा दुर्भमेव क

श्रुतिं मय्यग्निरुजैव ७ एगङ्कैठक

एतच्छ्रुत्वा भर्तृदेवे, यदुच्यते

उत्किङ्कितं एव विमृशितं ॥ एतत्तः

भट्टिंसउडुभयसुभुलभद्रममेरुस

उद्धरेणमविश्वस्यैकं विगलकुतुप

उद्यवैवसुभक्ति एनयति यैवद्वयम्

देवः उद्यच्छिष्टभान्नकं

अलं संसृपं भूपलदं भूपुत्र उरुग

एवविमति ०० इद्विभिन्नयेभिः

यदिमउडककलिः कयवन्निउमधु

कुत्रयेडं भगविठे ॥ यामतेः भदिं

मउडुभूय'लिकुमलिकयव'ज्जिउमे

भूगणित उचिच्छ्रुतिस्तुतहपिकर

भग्नं कंभूतिङ्गभजये न्यफासिधपिंसड्ड

भयंकुनिडमुवंडभूकसभानडवग

भामगमेधुवदुभूतिथरितभा उषम

शिमिवः सभु, भवमेव भयः कथं दुः

पञ्चमः पञ्चमः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः कृष्णः

कोडिउभट्टि, इमिगठेवःभक्त

सुखविशेषवर्धितः सुखप्रदमिषम्

ਤੁੰ ਪ੍ਰਮਲਠਮੁਖਿ ਗੁਣਾਧਾਨਿ ਮਧਠ ਵਿਚਿਤੁ ॥ ੯



ठवडुसभयभङ्गभभुगभुपिनेभभ भू  
 यण्डकलःभकलेधनतेपीयमङ्गये॥  
 ठवडुसभयेयभुभङ्गभुनउड्डरडेनयभ  
 भुगेभुनभुपिनेनिचाउभभभकलेनि  
 उवमेभेनतेनिगविःकलःभूयडिडी  
 यमङ्गयेनड्डर ०७ ठवडुसभउभ  
 ठेगलभएडविठे विवत्तडभउमिनं  
 भममकलडंभभा॥ यवडुवडुवडुस  
 भउवभभभुगेभयभूभुते उवडुव  
 मपिकभपिकुंडउभुदलीयडभेववत्त  
 डभा उडुडुडुभभभभनकलेनमभ  
 मकलड॥ ०७ ॥ एगडिलयभभ

265

उ.  
 टी.  
 ०२७

उभुयेकरभनिड्डर, डमडुडुंभकड  
 नभजवभीयभचम॥ एगीडेविमभ  
 विलयेनभंकरएडेयः भुयभय  
 एकेभभुननिड्डरपिधलेडभुभुड  
 भवभकडुनविमभपकंभमजवक  
 भभीयभुयभा ०८ भुमेभवभन  
 गूडि, विमभभनलंभम, भनेनिवडुते  
 ठडेःभुभुप्रएविपेडव, उवप्रएवि  
 पेठडेःभुभुमभडुभभनंभमभनेनि  
 वडुतेडुएवडुते, कीमक, भुमेभय  
 वभनडुनेगूडुयेवडुभुभंविमभन  
 विमलनेनभनलंभभुभा डुडुभभा

पं.



डिःकेएल्लभा ०५ नपिभुयैवविधय  
 निभाकुल्लवडयः, ठज्जंभुधयडिड  
 दुएउभभाउभवभा ॥ ५भाकुल्लवड  
 येधिमकुल्लमिरेवेविधयन्नपानी  
 नपिभुयैवन्नभुवभाधिरुमिमिरेवे  
 मयन्नभेठज्जंउदुएउभउउभाउ  
 भवंभुधयडि ०७ ठज्जंठज्जिभंवेग  
 भदेभ्रविवसङ्गभा केवेनिचल्ल  
 केउःभ्रदुएभाउभल्लनउ ॥ ठज्जि  
 भंवेगभदेभ्रठज्जिमिउउएभ्रविव  
 सङ्गंभ्रल्लिउङ्गंउदुएभाउभल्ल  
 नभदेनिचल्लकेउवकुमिउ ॥ ०७

[illegible]



भुंभयभाननभनकुयभभा. सुभयि  
 भमः पदुभनडीभुदुयभमभुम ९७  
 सुभुतावठनंठवदुयभनकुयभः।  
 उरैवयभभुदुयभभाभुमयतिउ॥  
 भुभुदुयभुभुदुयभभाभुदुयभि  
 मभि, यउभुउठनंठवदुयभनकुयभ  
 ययंभनकुयभः उयदिउरैवयभ  
 भयव, भुदुयभभाभुदुयभनकुयभ  
 नुभुमयति १० यववलयभुदुय  
 रभुयभुमभनकुयभः उववभुमिउ  
 भवेलवेपिभुयभभमः॥लेवेपी  
 उरैवभकुयभ लेकिरु<sup>वि</sup>

263

३.  
 टी.  
 ०२२

भुयवेवठनभुदुय यउभुदुयभः  
 भभवेमननः भवयभभाकिरीभ  
 यभंयउ १० ठनंविधयवेभन  
 भयभभुदुयभ, ययइभिभुदुय  
 भभिउः ययभुययउ॥ ययभभ  
 वेमकलभ एनभियकुविनभिभु  
 भुभुदुयभुदुयभभिउः भवलेकेउ  
 गठनंययउकयभ विधयं  
 नुभुमप्रथविलेयनमीनभवेभ  
 ठभभनभुदुयभभाभुदुयभभु  
 विनवउकिरुलेउः ११ नभुभ  
 भिठनंनयभभभिभुदुयभ क



वलंविमग्नेउठवद्रुभमेमः॥३८

मिवद्रुभभुपलठमुजंभूपली

यंमुलठवचकिद्रिमभि, <sup>भव</sup>रुभुवकी

वसुकेवलभभूयेएनभेवविमग्नि॥

३३

मफेठकिठरेममउभंवरुद्रयि स

पुः५एविणिःकेपियेनय सुकलदि

उः॥उममउभुंउभभेवयेवरुम

पिडंनकिद्रनयमउकेपीठलेकि

रुः ३२ कनसेठनकेलमःरुभभा

द्रिवपग, केवभमेकःकेपुभभकम

वेयममुउ॥ केपीडिमिद्रुभफेसुरे

यममुउ, भमेठमीपिद्रुभभवेरेडुः

एवभट्टा केवभमेकडिभामुवेसु

वठलठलपसुपडमिभेकडिमा

यिनः५२भाननभभभुविमुपविभल

उभयभुभेकभुलठग ३५ मुउरु

लभभमुमुठडिपीयुभयेधितभा रु

वद्रुएथयेगायमगीरभिरुभभुमे॥ मुतःभंविद्यम

उल्लभडमुमुनविमुपुडिविभुभमे

ठडिपीयुभेभभभवेसभभउनेधेधितं

पगउनउभुभिवकलिककपलनम

मीभभानकलभयीरुडमिभंसगी

रंठवद्रुएथयेगायभुभभवेसभभ

विद्रुभपिडयेवमिभनननननननन

विद्रुभपिडयेवमिभनननननननन

262

उ.  
ली.  
०२५



३.  
प.  
०५०

[illegible]



धदिंसतेपिउडुनंकेरैयरेल्लमहलभा  
 केपीडिमभवेसमालिभमेदुसुभाविडि  
 भुभिनिभुगिउः धदिंसतेपीडिरेक  
 सुयलंउमुनेउडुल्लनंउडुनंके  
 ठडडिमंविमयिभेधवैधभुभा ३०॥  
 नभभुहेविठेयभं ठडिपीयधवभि॥  
 प्रहृतेवठवडिउडुएपकरल्लहपि॥  
 उडुएकभुपकरल्लिठभुभमीनियेभं  
 ठडिपीयधवभि॥ भभवेसभउरभ  
 नकेउरप्रहृनिठवडि, उरभभवेन  
 मिवडडिहृतेः प्रहृदएयउ, उहेपि  
 नभः ३० प्रहृभुविठेयडुभउय

यंडुमड्डभा, भुहृतेवपरठडभति  
 कहेनउमिडि, भउभनउय  
 मेमिमिडकडुपकडुयउहंसि  
 वेडुडेडिभुहभभहं, उरभभवे  
 भुहडमिडयिड, भउमिमयिध  
 डकप्रएभुविठहडयभेव, मयभेवे  
 मयभुहेडिभुहठडिभकडुमिवीडु  
 यठडः भुहृतेवपरप्रठडुपेनभति  
 नवउउ ३३ गहृलठमिवेडुल्लैः  
 केमिडुएभकेडुवे, भुयभवेनभकल  
 एगडीमंविठहृउ॥ उडुल्लैगिडिभ  
 कविठभयडुमीठगीयभडुउय

260

३.  
 ए.  
 ०२१

के

डवै



विष्णुः भय भवेत्त भउधनेन एगंती  
 भभभुवे सुवेरु कडुः भंविठ हउथमि  
 प्रहउ भनरु भयीरिय उर हल ठेडु  
 लैमै सुवे भव डुर भवेत्त भंविठ हउ  
 उडिभ भुभा ३३ प्रहभ उधनभये  
 यभं ठेगः पूडिङ्ग भ किंमव उउ  
 भउ भुकिंर के भवेत्त एनः ॥ ठेग भ  
 भङ्कः पूडिङ्ग भिह विमुक्तेन के भवे  
 डिभे इम उर पिवरु भमङ्कः ३४ ॥  
 प्रहपङ्क नीडु उ विमुक्तेन गोरव  
 भा मके किम पिठङ्क नं किम भवेत्त मल  
 पवभा ॥ प्रहयं यडु पङ्क नीडुं यरि  
 गीडुं

259

भुड

३.  
 ली.  
 ०५३

प्रहपङ्क नीडु उ विमुक्तेन गोरव  
 भा मके किम पिठङ्क नं किम भवेत्त मल

विष्णुः भय भवेत्त भउधनेन एगंती  
 यभुवे मसिडु भवत्त भवेत्त भवेत्त भवेत्त  
 सुमुदं किम भभभं ठेग नं गीरवंधु  
 ठविउडुभा लपवं मभुय डेव मभ  
 श्रीरु गिडुभा प्रममभायी यठेठ गति  
 वडिः गीरवेरु मल पवभिडि विरिय  
 मुय ३५ प्रहभय कविडे पके ठेग  
 वभउडुभः ठेग नं कीर एलपिके  
 ठमिवमिरे कुभाभा ॥ प्रहभय विवि  
 सुभभं वे सुभमिडु भिवि सुडि मयी वि  
 मेवउ मके मय भय डुङ्ग नीडुय लि  
 उभं विडेयः सुविभयगुल पडुं म



ठङ्गनमभउभुमदरनमुमुभउल्लभंगुदुग  
दकविप्रवेपिः

एवकेठेहकलउउतावल्दवेयथेदय  
ठिभउमपिठङ्गनंमिमनकठिहकि

गवेहङ्गः उमुङ्गभा गुदुभुव/डवपिउ

कुठवडडि यममेवडनंकीरभभमुके

ठमभाउभुभयय/उल्लभः मुदपि

प्रभभयभुप्रहभुनगरएङ्गेकभुने

इभयेविकेपमुकदपकदरुभःभा

वकेठः ३० प्रहंकेमनभहउयेउंक

भमुपाभिव भुयययपिकुभभंयय

हुउमुयथय॥ यमकभयेउगीभुभ

हुउंप्रययडिउयकेमिहलकडिः

प्रभभहउनिमिचिउति यमकेमिमेवभ

मङ्गनगङ्गेः  
५४

उ.  
ए.  
०५७

यययपिके,भाउययडिसायीरभंभ  
येयभुभंप्रभमेवकभयेउभउमुयः

भउययडिपिवडिभहएवमभहुवगी

हुङ्गः ३१ ठङ्गनमभविदेयेभुभभं

भयभभउः॥ उयनीयकिभभउः५४

हुङ्गभकेहुवभा॥ मुदविदेयडिमु

भुभरेलिकेभभगडेनभभउः किभयी

हुलेकिहभनउभुयनीयभुपयउङ्ग

नंकुगलसीमदुभुभभभविभुनभा

मुजभकेहुवंप्रलभुपविमुडिं५४

डि, उयमभमेव, भुहभभभभुडिउभभ

भकठेमेमपेरुमुड हुङ्गकेपविवउन



दृवि

ले

255

पुं

उ.

ली.

०५.

विगठिउं सुभू भंडा उरुग। वडिडुठ  
 विकल्पमैव विरफं कुडन सुहये। भयं  
 थयभकेपिवडिणगडिस्स भू भू  
 वभभंडि ७३ ठजिमेठवसमीमभ  
 इकुउं जंउयि मिरेमैवयेनेयवमी  
 नडयः परंठलभा ॥ इयिभइकुउय  
 मुजिमेठवसभवेसवेवभूमजनभ  
 सभभविस्सभजनंउमिरेभसुदंमैव  
 यनेठवडि, नकं मिमीनडंठलडि महे  
 भंइउमक इभूयानभव नकवलभवं  
 यवइइउमीनडयली किहः भूक  
 यः परंपादडिभनभुपंविठवमि

ठलभूपिठलकुडं परंमभलंठलभा ७७  
 उपमभपंभंभकेभंमिडुइमभुये।  
 ठजंनंठवमैकइनिचडिभूमभुमः॥  
 केभंमिमिडिठमनिभूतंइइमभुये  
 इमीयंभंभूभुभपमभपंभूरिया  
 कुगगयनेपयभभभेव ठजंनंउठव  
 मैकइउपयनिचडिः भभूमरेविकभः  
 भंडि विणीयभनपयभंलिइउ॥  
 सुभभभइउपयनठइममनिगनले  
 विउभभनलठउभूडिभूंइयिकभपि  
 भयंभनगपीडिकउउउउमठवे  
 भूइवयः भूरियाभभुयजः उमदंभ



कुं  
सुगं

उभंललिउेहृहृउमिउभुमेवमिमहृ  
 मभुमेयेनिपठएनभामुयः किलेडि  
 युक्तिउमेवयष्टउडउः मृदभृ  
 हृमहृमभयहृनेमृगमपडहृठव  
 उ प्रएनभिडिवहृवमनेविमृडिभ  
 गडभृषनय॥ २७॥ परिप्रलविमृ  
 हृनिठक्तिमडिभृगलिम ठवहृ  
 विपेनभभयननिठवनुमे॥ ठवउमृ  
 नभभृप्रएविपेमृवमृकदयभम  
 यंभभभयननिमहृगमीनिकर  
 निपरिप्रलनिभभृमिमेवीमदेन  
 मभयनि,मृउएवमिमृगीमिभयहृमु

दिमिड



सुनिठडिभडिविस्व<sup>३</sup> डउडडेव<sup>३</sup> था  
 लि<sup>३</sup> कडमिमपिध<sup>३</sup> सवव<sup>३</sup> भनय<sup>३</sup> भुधु  
 डडिग<sup>३</sup> निठभीम<sup>३</sup> सुवठवडि॥ २७ ३  
 डभभेवमसंविभ<sup>३</sup> सत्रा<sup>३</sup> ॥ ॥ सुमे  
 मप्रएभडेमेडुडुएकड<sup>३</sup> लि<sup>३</sup> भूठे<sup>३</sup> मदेक  
 र<sup>३</sup> व<sup>३</sup> ड<sup>३</sup> सुक<sup>३</sup> पिल<sup>३</sup> क्री<sup>३</sup> विस्व<sup>३</sup> भुड॥ स  
 जीन<sup>३</sup> भुल<sup>३</sup> मभभग<sup>३</sup> मि<sup>३</sup> भूठव<sup>३</sup> मील<sup>३</sup> ; सु  
 मेभ<sup>३</sup> ल<sup>३</sup> प्रएनं<sup>३</sup> विमिड<sup>३</sup> ल<sup>३</sup> भुधुमेव  
 मिथमविस्व<sup>३</sup> जीनं<sup>३</sup> भडेमेमेठग<sup>३</sup> लुडुपे  
 डुडुएकड<sup>३</sup> लि<sup>३</sup> प्रलमिमन<sup>३</sup> क<sup>३</sup> पनमीभ  
 डनठगवभुधुपविस्व<sup>३</sup> डेकर<sup>३</sup> व<sup>३</sup> ड  
 भुगमिमड<sup>३</sup> सु<sup>३</sup> फेक<sup>३</sup> पिभ<sup>३</sup> भंविड<sup>३</sup>

३.  
 टी.  
 ०५७

किकलक्रीमीपिचिस्व<sup>३</sup> भुडेभुवडीडि  
 भनडुपविप्रल<sup>३</sup> सु<sup>३</sup> भ<sup>३</sup> विथरुसवकी  
 लि<sup>३</sup> डभनिभुड<sup>३</sup> वल्लभडि॥ २८ ॥ ॥  
 मथेमलिभन<sup>३</sup> सउवेवकिल<sup>३</sup> सु<sup>३</sup> सुडे,  
 विस्व<sup>३</sup> सुगेपिभडे<sup>३</sup> ड<sup>३</sup> सु<sup>३</sup> मेयसुल<sup>३</sup> ठमे॥  
 पेमलिभभरल<sup>३</sup> ड<sup>३</sup> उवेवेडिमि<sup>३</sup> सु<sup>३</sup> डेन  
 भवेभभ<sup>३</sup> डेविस्व<sup>३</sup> सुगेपिभरुमिव  
 मीनभपिभुभी<sup>३</sup> सु<sup>३</sup> सुमेमभविस्व<sup>३</sup> सुमे  
 लहमेनिगललभ<sup>३</sup> डीरियेमे॥ २९ ॥  
 भनभडु<sup>३</sup> भभडु<sup>३</sup> ड<sup>३</sup> ठ<sup>३</sup> व<sup>३</sup> सु<sup>३</sup> सु<sup>३</sup> ड<sup>३</sup> ठ<sup>३</sup> व<sup>३</sup> डः  
 डेय<sup>३</sup> डेभुमभुभुठव<sup>३</sup> डुएभडेडुवः॥  
 भुडेठवेप<sup>३</sup> एमिः सुभुडः भुपमिः



भुठवेविपिप्यएअरुपालमीनि, मुअ  
 उभुठवेविकल्कलिउधुअएधुडिध  
 पाहुउउउयउ ५ डिअभभुठवठ  
 वधमभगीठटेमहमिउउः ठवहुए  
 भकेहुवमुडिमुहुमयः ठवगिहमि  
 क लुह्येयधुमी ६ कभरेणठि  
 भनेमुभुधगीठउः अमयेजयति  
 नभभुठभुभंउभुमिउउउः भवमिउ  
 वडीचं कभमिठिः श्रीकण्ठभभवे  
 पमनभ ७ धगीठउचिमहउये  
 वडिउभुउभुभुमिउडि भकभरु  
 ठयरेयेमुकेयः भमभधियुउठठिण  
 नउ

254

उ.  
 ए.  
 ०१७

नवमसीभमककभगेतिभयभउभुइयं  
 मू स्मेकेमभुगीयः भउं मुमभवभनगु  
 डिउठमिकभुपिभउहभा लेकवमु  
 वउभनिएनिलेभुभुभिवेवएगहवे  
 मकउ धनमनः भभलभउ नक  
 धिगहुहमयभुवगु ७ मुअउमेकन  
 भडि उठयभभभलभमयधुभुगिः  
 श्रीविम्वउभेवधुभरुः एवभदेधुपि  
 भुइभुवंभुयंठहुवमिउभभिउउभुमिठि  
 वेहुएउमिहलभा अऊवेवउभग  
 भः ॥ २१ ॥ एयेठभठवमुकिठयंपय  
 विपिः पः यभुलः क्रियभलिपिगुउ  
 वेधकल्कउ ॥

५५५



मपि विवक्ष्यः ॥ इति गपि विवक्ष्यमाने ये  
 गङ्गे वेधकल्युते प्रलविमूतिपुनरुव  
 डि, भठवमुक्तिरुसंरुभवेममालि  
 नं धरः प्रलः प्रएविपिलयडिडिमि  
 रभा ॥ ॥ ५ डि मी भुइवहं मिहरी  
 रुवडभवनभनिमप्रममभुइविचडिः ०७  
 डि एगडिउरुडिठवउभाभुप्रगउरुवडे  
 उगल्लठडे, एगमीमउवैवठकिठए  
 नकिउधभिकमुगडेभिकिडिउ ॥ ५  
 एगमीमयउवैवमिमुपभुभुइनेठकि  
 ठएभुएगडेविमभुउरुडिभभुमुवउ  
 भभुभुसभभनहवकगधममेवभु

२५३

३.  
 ६.  
 ०५३

मउपुंरुंलसु, भनरुउरुगमुवउमि  
 रुपभुउरुडिभभुल्लठडे, यभउधंरु  
 डिठरुंभभुइरुठिहउविमभुकउरु  
 उधल्लभिकएगडिमुवठकिडिमिभु  
 भवभुभुइरुलुडेभभुल्लग उमुं  
 येभंभभुडिभवउभवंमभयिपभुडि  
 ५ डि मिगीउभु ॥ ० ॥ कृमिमेवठवउ  
 मिमुवनीभकलउरुभगठिनीभुएव  
 पभभउपभुउरुवमेहठवडेनपिएग  
 इयभुठरुः ॥ कृमिमेवडिभुउरुकृमिमि  
 डिउधुपयउयंठेगठवनीधगमडि  
 भकलः सिवमिडिउउरुभः भुभय



गमिनः मिथिकरी एव कुंभ भूय  
 भूः परभाऊ पमगलिउकलन यंडा  
 डिहं सुधै प्रनलगइय भूधिवर  
 ठवाडिठवा इन भूडे ठमेन भूकिं प्रनः  
 मऊः १ नेएनउ भूठग भूधनलेपवउ  
 लेकः भूयइ भूठग निगिपल फिठवः।  
 मेउः प्रनदमिमभूउ भूधवेडिनेवइ  
 दुपमिफन उरुफेफडेभि॥ लेक भूव  
 मेवलेपवउः भूतः भूठग भूधिमिमइ  
 कंडुपंठवनं नएनडि यडः भूयइ नभ  
 चष निम्वयेन भूठग उडुभू एवनिगिप  
 लः भवेठवः भूक सभानइ नमिमय

252

उ.  
 भू.  
 टी.  
 ०५५

इग प्रन भूठवभूउपल्लनं उम्वद  
 भूइनेपिउपंवेमिउभूउ भूधिमडेय  
 वेववेडि, भभवेमयग रुकइ १००  
 लिंकइ उभधियमिमैक कुंनठएउ उडु  
 डेमिह धामिडे भूीडिग गिडिभभव  
 सभूकइ भलठभान भूउ भूउयभूडिः १  
 ठवभय भूइनिव भलभू भभइरुह  
 मिउयभूमडिः नेठएन भूभनभभ  
 एभूभयेकडेय भूभकंनभ भि॥ ठवमि  
 मूयः भूठउंउपंय भूउषा कुंउ भूइनिनि  
 वभेनविभूइलेवेन भभइरे १०० परभा  
 नभकुडिभूभरे १०० मिडे गारुभठम

१







इयिभूते, उधयत्रुधयत्रिमनिमंभम  
वभुनिविठतुभचम॥ भचमभमम  
निमंनिचिगभंहुवकविधयभुतुम  
इयिमिदूधेभुदंभुगतिभडिभचि  
वभुनिउधयत्रिमधयत्रिमभुभ  
ननिमंहुयभ॥ निमभुगतु, इम  
विधुदंभमठवभनभंकरुहुभिदुः  
उधयत्रुधयत्रिमोडिध० सुगमुतेपि  
मद॥ भुडिविभुवद्विलीयभनएव  
नउभवभुडिभनगपिठएभनठतु  
डिदुएयभा, मावक, उमुतेविनभु  
उमुलेकवहुषठति, उषठतिडिदु

येष्टुभा॥१॥ भउउमेवउवेवभुगवध  
 गकिउविमगेयभकंडुय, कलवेष्टु  
 भभठवेडुभनविष्टुयत्रयउठवक्रयः  
 उवेवभभुविनिभुगप्रकसजे, पक्रविम  
 रयंसा उभभवेसमलीष्टु, पुषवउ  
 यविगकिउडडिसा भुवभभवेसभयः  
 पुषवठवक्रयडडिडुष्टुयेविभुजभठवे  
 यउनविष्टुय नभचिडुष्टुवउउ, भक्र  
 लवेष्टुभिभभुमिडुष्टुउरभाडिसय  
 क्रसंभभपगभउउ नत्रविउष्टु॥ ३ ॥  
 ठवक्रयपरिभुवडुमीडभाउप्रगुगिउम  
 भउउपि, ठवक्रयभभवेकठज, पुष्टु  
 भभभवेउरसगडि॥ उवठजः ठवक्रय



249

३.  
ए.  
०५३

[illegible]



भूतिवसुभमभुलीवतः भूतिठमिभूति  
 ठभययस, भभनसउसभरः भूसंभु  
 एनेइइयमुलमेठितः " भूतिवसुभूति  
 ठवंभमभुलीवतः भवेभंलीवतं  
 भुभिडुंयस भूतिठभयः भंविदुंय  
 नीलमिगुल ७ वसत्रपयह भूति  
 ठमि, भभुहठिहूतेपिवसुतः भुगभि  
 उसभभमभभुनसभुगेभुभचइनेइ  
 इय ७ मुलेनममेठितेभिरडिमय, भ  
 यग ७ ठिहूनेनभभुहठिहूतः भ  
 भुसंभु ७ भूकलीठवभभवेमेनभु  
 गहः नेइइयमुले भुभयग ७ ठि

३.  
ए.  
०५७

सुनेधलक... यरेनधनरइकवेठरः  
 ममभुलीवउडडिऐगमभा ०० मुठि  
 भानमडुयकईमभडठजिठरेक  
 लिडडा परिडेभगडःकमठवमम  
 भचइठवेमसःपमभा मुठिभनेकइ  
 रावमरुःभुलीपकमुसेधकवेठ  
 गवइइलं पगकभुवगुलं उडःकी  
 मसडा ममभकसुवःभुभुभीडेवम  
 भडपुएनेऐठजिभःभवभूमगसु  
 नकलिडडा मभमिडमभठवच  
 रिडेभंगडःभूमवभुक्रममचइमस  
 मज्जनसुपमंविमूडिठवेडा गलि

पू३



उमेकमुठिभनेकुमयेमेवविमुंभाङ्ग  
 कुदभिहङ्गः ०० निवभचरभाभाडा  
 विभेष्टवमज्जविधिभाङ्गभयमिडः  
 भकलेएनवउभमयेयभयचउ  
 वकिहङ्गपि॥ सुफेठवमज्जविधिभा  
 इभयमिडसुभङ्गः भचरभाभाडावि  
 भष्टेमिमननपनभभमुउविभभ  
 कलेएनवउलेकुमेधुउंसुमयेयभा  
 कीरुचउः भचष्टेवभष्टकिहङ्ग  
 लेकिरुभननसुपुभठीभुरभयव  
 भुरयन॥ ००॥ ठवमीयभिकशि  
 वमुउउंविवगीउंकऽवउपाउभङ्गऽ

ममेवीफनभत्रुपमेधुमुभभउंकरउंक  
 विभियभङ्ग॥ उकएगडियवकिहङ्ग  
 वमुउउंवेठवमीयंडकिहङ्गउिउपमिडि  
 एउंमेभिहवमुउउंउंविवगीउंक  
 उवठडिभचउंनकशिउ यडेयवमु  
 यमेउडिमगयिउंभुरभभकउवमु  
 सुपउभविमगभुमीयभिकमेवभा  
 भउभठवभउठवभिमुंनभत्रुपमेधु  
 मिभकसुगउहमिनभमिमुंउंउंभ  
 चभाधिसंकरमिकगिनीमेधु सुमि  
 गुफउउवमुउउंमिगमःउडु  
 वभमेवभुरिउंउंमुउंमभवेसवेवसु

297

उ.  
 ए.  
 ०५७  
 ०५७







245

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]



"यद्वा" उनेमुलिउभृद्विउभडावणे  
 उंविक्कलभलेयभृउभृउषाकलिउमुलि  
 उंवल्लयभंमयाववेगीविभृद्वनडाभृम :  
 भउभभभृमरलेकनंमिभृनभृभृभृभृ  
 "विउउं" पनभभृ॥ ०७॥ भृद्वभ  
 विमभभभविमयंभउउं" भठवउभ  
 भिउभभउ। गठभेनवभभृववभभृभृ  
 रभभभृगडःभभभययभ॥ कन"भ  
 उंउवभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 भभविम, भृभनउभेभंविपेभृभृभृ  
 भृभभउभभभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 विमयंगभठवभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ

244

उ.  
 टी.  
 ७३

विपेगलिप यभृमिडि एवंभडिथ  
 रभभभृगडिडिभिकंभृभृभृववभठ  
 भेनभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 भृगभृययंभभविमयभिडियवग ३०  
 भृयिनभृडिमिगिभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 वयडेडिभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 भेउभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 कभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 भयभेनमिभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 भृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 नभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ  
 गी, भृउयभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृभृ

३०



24-3

उ.  
ली.  
५५

किल ललहभा, प्रभु भवन रश्मि निरु  
 द्ध ननु मेव प्य ए मे परभा भुभा, इति  
 इतः भुवनः भवतु क सुयु किल विम  
 ललहभा प्रभुति मरु भुवन निठलन  
 वल्लभ भवनः पंगल लहभा भुभा इमे  
 व निरुदुध भुवन प्य ए मे वुदुध म  
 भयन भुवन सभे इति वत ॥ ३ ॥ इति  
 कुरु भयमिदुध भुवन सचर्य भवन भुवन  
 राव भुवन भुनिगिलिधुध भुवन  
 भुवन भनलवेदुध भुवन ॥ भवतु भुवन  
 मिदुध भुवन विदुध भुवन भुवन भुवन  
 भवतु भवेत् भुवन भुवन भुवन भुवन

25.



नेनवधः सुपुंभारुभीतिमभुसुता  
 भडतिभुगसुपः नवविमिइकदक  
 २७ नंननमेमसुपुप ७ वभुनंरु  
 मभेकसुगदुभभुसुतेडदक, एधव  
 सुधुदसभननभैवमंल्लुवनरुवेकिभ  
 उदकदक ७ सुपुपमिकंभुकमभ  
 यडंविनकभुभुमिहुः सुवेसुदुद  
 दभा ३ विधभातिभुधनेनल्लेनउ  
 सुगदु, सुठिलीयधधनसभभ  
 भुडमयीगतिः ॥ विधभातिंभंभगडपं  
 भभुगडियभुसुसादुदुदककुपुपः  
 पडुभुनभेठिलीयल्लेनल्लेनउभुम  
 म

242

३.  
 टी.  
 ७७५

यीरुमेकुपुपागतिः भूतिभु. उकु  
 मेवमडगभनमिडिवडा कुभुदयेयेए  
 यिडभुतेभुडियेएभा सुठिलीले  
 डिध ७ भुगसुमननविहमेडिहक  
 उदभा २ ठवमभलमभ ७ मिडुगड  
 लडलहुडकभमिहुः मिडुएनभ  
 नभनंविभुयएननी ७ एउमभठव  
 उः ठवडेभलः सुदुयेमभ ७ लुनरिया  
 मिभरीमयेभुभुमिडुभनः भुनडिठ  
 लनंभैवभचभभदुमडदुडलडउय  
 लहुडभंभुभुडमेवेसमीठकभभभ  
 भलमिडिउएउठवउभुकमभ

सुठिलीयेडः

सुठिलीलः

- 15



कीमसीभिद्वएनभानभानंयेगिमि  
 उरंविभयएननी ५ कदिनषवि  
 भलंभापविभुंउवकंमभवलेकयिउ  
 मि यद्ववदभाउप्रमभचंयेनिभह  
 यडिविमुभमेधभा ॥ इउरवभिउमु  
 यभुक्तिः कदिन<sup>म</sup>विभलंभापविभुंय  
 रंसाउंउपंउवमभवलेकयिउभिभा  
 कृकृदिष्टमि, मुभाउप्रमभानकृभम  
 मप्रचभलेकिंकलेकयिउलेहउपं  
 विभुंनिभहयडि ॥ ॥ इउमभउभ  
 मिउंउवउपंकदिनषयभभाउप्रः  
 प्रयेइमविठेमविभेडाएगिउमवि

१५१  
 उ.  
 ली.  
 ००

वरलिभमभा ॥ इमविठेमवविभेडे  
 ठेमववृपगममुष्टाएगिउमभउ  
 मीयनिद्वरलि विवरलिगदननि  
 मुकइभयनिगडनिकदिकममे  
 इउमभउभुमिउंमिउमभनउमभववि  
 कमिउंमडवमभुविउपंकउमभप  
 भाभाउप्रमभानकृविभेः प्रयेमभ  
 वेयडा १ इमीयउउमभभाउमभउ  
 इमथलभा, नहपिमभनेनषकदि  
 भामसुमीभुउः ॥ इमीयेउउमभः  
 पगमिद्वमभमभमभउइउंउनधि  
 मउउमथलंगलिउहउमभ महु



240

पीठभट्टमभूमिउपिभभावेमेकदिमी

पुंशुमिहितिगमिहृष्टपगुंभूरुप

यति ३ भस्मकृष्णकृष्णवर्णभवा

लिभचम उवेपकृतलवृत्तिद्वयद्वय

५३३३॥ उविथरुहलनननिमिन्नयेड

एतन्मूविष्टुङ्गनमभावेममंभुग्गभा

आमृतममिडिपंभवकलंभव

ਲਿਖਤੁ ਨਿਸੀਤਿ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰ ਪਾਤੁ ॥

[illegible]

लङ्कशुद्धयुधायामिभवेवम ७

नमो भगवते वासुदेवाय

यः यत्तु यमनशुपतमेतिः यत्तु

३४॥

भभ्राष्टभाय'तुमेकमिधुषंनिभहु  
 भभ्रुगुतुसुहु भ्रुगुगुधगवसयःम  
 जयःकयभनभु'पडभेठिगिडिकयभ  
 नभु'पगवडभंभिडैःपरिलभुडंम  
 भड'वसुडभ ०० मेवभमीमयवमे  
 इमनपरिपडैकः परभजभुषेव  
 सुकुयभन'उभुगः ॥ भुभमःभु  
 सुड इमनपरिपडैकः परभजस  
 जडुभिगेयिनेडावपरभभजंमिमठंभ  
 सुहुत्रथठेगुंमभमयडियेगु'भडं  
 मयावडभुग'भुवसुकुयभः उडुं॥  
 गु'मिभमनिभुमःभुल्लुभुपरि

पूर्वम.

ਪਫਰਤਿਸ਼



पतिरुंति॥ प्रभीमयुयभुतिडिलेदि  
 ऐमभुयमीचिमिधुंभूजुनंगमय  
 उः यमलनीफिलनीफिडहमेलेदि  
 चमनेकमहडिकगड। एवमहडपि  
 भुतहंभुभितिभुभवेमेगवसुठवती  
 डिलेकिरुःभधुएव॥ ००॥ उरु  
 जिभयभगैमनमभप्रदंमभसु  
 विठे,यवमिभउरुते निःमभभग  
 वभनःभुह॥भनभंमिउंभगभु  
 भगःकडिडःभगभुभगैःप्रगिउ  
 प्रभगवभनःकडरुवभनःभुह  
 उरुहभुयमेवउरुतेवफिनिभुगति॥ ०१

239

उ.  
 टी.  
 ००३

मेकमसयंरुजिभुयिठउउवभहयम  
 लिपिनभ,गएडिउउउउपाभविथय  
 डिमिदिडुमिकभएभभा॥मेकम  
 सभभमिवडएवीवकुजउउभउभ  
 यडयमनेवेकंउभभभकुमसउ  
 रुभउकन्यवयंउउडिभहयमिउ  
 डिभुहठिठुडइभुपभुभउउपाभि  
 डिभुहकुसमिभभवेमभंयीपंमि  
 दिडुमिउउवभुहमभठवभुभुहंभु  
 गएउ॥ ०१॥ मिडिलवलठलवे  
 भभवलेपेनभविठेभंभुः,कभभुह  
 डिभुयपेनभभमिभभिपकउमेकः॥



238

३.  
क्षी.  
०७

मृमेविधयः ॥ तडवमिडिनउमृमि  
 भमि. पूमीमउडडिडिडुवनंभूयग  
 यमृमभृ वृ मृलमृउगं लं  
 ममृममिडिनडमृमंमृमडडिडुः  
 ॥०५॥ ॥ इडुभमृडिभृयभभ  
 लभनमउवपरभृणयुगंभा. भभ  
 कृविकृभमृमुभमृवभृभृवमृपकिभ  
 भृडिलिकृभा ॥ ॥ पमृभृणयुगं  
 भृयडाविकृभा कृममृमृभृमृग  
 भृयभभनमृभृभृमृमृमृडिलिक  
 भलि किकृभा



237

ॐ  
ॐ  
ॐ

[illegible]

ਮਾਤਾ



236

[illegible]



235

भिन्नियति स्त्री कृते भडि उव न म किय तु  
 य न म म भवः ॥ विस्वव तु य ड ड म  
 ड ड म भु ड ड गिय ड विस्व ड ड भिन्न ड ड स्त्री कृते  
 भडि उव किय तु य नि ड ड ल्यः भु न म  
 भु न तु प भव भवः स्त्री ड ड य भु म य भि  
 सं स्त्री ड ड भु प ड ड ल्य व न ड ड भि भु ड ड  
 न भु ड ड भु ड ड ल्य व न ड ड भि भु ड ड  
 न भु ड ड भु ड ड ल्य व न ड ड भि भु ड ड  
 भु ड ड भु ड ड ल्य व न ड ड भि भु ड ड  
 किं गी दः पर भव ल्ल ठः ॥ भु ड ड भव  
 भु ड ड भु ड ड ल्य व न ड ड भि भु ड ड  
 भु ड ड भु ड ड ल्य व न ड ड भि भु ड ड



गिकय लिङ्गिउउउः करःभभवेस  
 मभङ्गरेल्लुमयकगीउउपमसुभंरु  
 उमयःपरसङ्गःपरभवल्लठारव  
 पुनभाउभयंयसुभङ्गप्रलभनसुभभा  
 भंविज्जउभुषत्रुपभुभुक्कशुपिभउरेः ॥  
 यसुभभवेसमालिनःभङ्गेप्रलंक  
 २०० पुनभाउभयंभुपुपेधनेमुपमि  
 मन्त्रभभभुठिठिउमिवठडुगकुभु  
 थं यमिउभा, सुभिमभुठुभभेएनकेष  
 उमि, मन्त्रसुगमिदुपयैवनिउभा उ  
 भुभुशुपिभउिउल्लठसुभउरेःभउप  
 करिःमेठनपामपभुभंविज्जउनी

लभुपणिकिहुननिउसत्रुपउउिपुन  
 भाउभयुएव १॥ ठजिहुपुभभुल्लभा  
 वभउपभभसुग, भकनिकुधपधभा  
 भुल्लप्रलैवएयउ॥ ठजिहुगवमन्त्र  
 गाववैवसुमयिउउउभुभभुल्ल  
 मेधल्लनिलीउप्रलैवभकनिकुधप  
 धभाभुल्लनिय्येधल्लभयेभकभुभुः  
 ठजिहुपुयःभुसमभयननभभुवि  
 सुउिउउल्लयउउउः ३ ॥ भभभा  
 धिउिउेयभभभुिउिभापणभिन, भ  
 मरिउवनकउउपयभुभिनभभाउ  
 वंउवकउपिभुठुउेकमिभगविसनठ

234  
 ३.  
 ६.  
 ०१३



उमेव उरुं यमि सुय ठ भये सुकि रि  
 डि भिष्ट, न क मि भ वि म उ ठ ग व उः धु  
 डि क्क उ उ म न उ गु क्क गु क्क क्क ठ भं भं  
 ये ए न वि ये ए न क्क भे म् भु मि के ठ  
 इ य म् म उ उ म् भ य म् म् म् भि के वि उ  
 इ नि ली उ मि डि म् म् म् वः ७ न क्क  
 पि ग ड्क डि ड्क पि न कि डि मि म् भे व ये ।  
 ठ हं ड्क म् प सु डि ठ हं भु हं न भे न मः ॥  
 ए क्क उ ड्क म् म् उ मि पं पं म् भ ले कं म्  
 ग ड्क ठे ग न प र्कु मीः म गीं म् म् ड्क उ म्  
 भे व भु ड्क नं के य ठि म् उ ठ हं ड्क म् मि  
 सुं ये प सु डि ठ हं मि ह्म म् क उ म् भु वि

धु भु हं न भे न मः वी भु ये म् भे व प र्क उ  
 वि ड्क न डि ॥ ०० ॥ ठ डि ल क्क म् भु  
 नं कि म् भु ड्क प य मि उ म् । ए न य व म्  
 मि ड्क नं कि म् भु ड्क प य मि उ म् ॥ कि म्  
 इ मि डि भु उ ह्म भु उ ड्क नं भु व उ ह्म  
 मि उ ह्म । कि म् भु मि डि प र्क म् भु न  
 म् म् म् डि भे व न म् भु ये ल्क ड्कः ००  
 म्ः ए व पि भु म् म् ये उ वि म् भु म् भु उ य  
 उ, भि क्क ये उ म् म् भि ये य उ म् नः म् म्  
 ड्कः ॥ इ य म् भु उ मि म् न क्क प्प न वि ए न  
 ल क्क म् भु म् भे व ठ व डि म् नः प र्क म् उं प  
 म् भु ॥ ०३ ॥ भु ले म् भे व म् भे म् न भि म्ः

म् न प र्क म् उं प र्क म् क म्

८६९

य उ म् व

233

३.  
 ए.  
 ०१२



232

उ.  
ली.  
०११

पंठवहुधभा, उषाधिवयभीमानभी  
ममःकृषभमुडभा॥ भूयुहुहुनवभि  
उभेतिः प्रलेभसुवभनेऽडिभंविह  
मयभूमगविसूतिभ भीमभेसुहुने  
नठिहुयभके ०३ ह्यनयेगामिनहे  
भाभिवपेकिउभदडि, भूकमः सुगि  
भेवठवहुकिभडंभूठे॥ भूठेकेभंमिहु  
नयेगदियहुपयेठवहुगडि, ठजंनं  
भनः सुगि भुपायनेपेकिं हुहुभा  
वसहु भुहुमीदिभंमठवहुकमभुठ  
वःभमेडियवग ०४ ठजंनंनडये  
नभभुष्टनंभूहुभुव, उषाधुभिभि

वहेडकिभभुधंरकिमुये॥ सुउयःले  
माः सुष्टनंभूहुठिलभेविमिहुनं, उव  
भूहुनऽडिभूहुडयभुहुतः उषापीडि  
हुहुगमेवकिभपीडिधरभानकेकहुहु  
ह्यनंनिविभिहुंमा॥ ०५॥ भवठभवठ  
भेयेविभजवलिडेपिलभा, सुफभउमि  
डिभुंभिडंरियमकिभीमउ॥ सुफभउम  
पिलभिडियः भवठभवठभः भम  
विभेसुभूकमः कीमका विभजेनधर  
भानक्रमभहुनं वलिडेवंधिडः डि  
यमकिभीमउभुंभीडिभचवग ०  
वउउएउवेसभा मधिवहुहुविभुवः।



गुमभान भुतेवरे मेव विमुठव मयभा  
 मपि वरे मुविभुव ड डिभा भिभुडि क  
 रिः भुभिभु सुभतं रुकु मय भुपिया  
 वरुमेभा एतवः क इरुगु मभान भु  
 भुविभय कूडि भुव वतु ड डिभुडि य  
 डः क मेव मेभ भुभा ड मिडु पे क्रीड मी  
 ल ड डि विमुठव मय विमुगु भन मी ल ड म  
 क यतु पं वरे भुगुड ०१ भुते विन मभ  
 भुवरे इगं निपिलं भा भ, एव भवे मुड  
 न भडुय भं क ग ली लय ॥ क न म भं क  
 ग क्रीड य एव भवे मुड, भडु मि क क डु प  
 इ भुल्ल भिड भुठव डु म पि क भिवय

द्विदि इरु मि व ड ड म भान भु मभुवडी  
 डुः यड भुते न पि क भु भु पि क नेव व  
 क मभान भु विन मेन मभुव मि म डे  
 व विगलि ड ड न भिडि डुव डि ॥ ड ड ड  
 य डु म मि व प ड ड मि डु मि विन मे  
 इ डि भं य ड मि डु भा ड म क ड ड म  
 यि ली ड ड ड मि ॥ ०३ ॥ एत भडु भु प  
 डि भु ड एव ड ड भु व म ड डि प न न भ  
 म भु मि डु भि पिल मुड मि डु क ड ड ड  
 डि मे ड वि ए य ड ॥ मि ड ये गि ठि मि ड य  
 ड म म ड भ पि य ड ड ड पं ठ डि प न नं ड  
 ड म ड भु प डि भु ड ए न म भन ड ड मे व म

231

३.  
 टी.  
 ०७

१८९



उ.  
ए.  
०११

निधाममद्गुयभेधंमधुविठिःश्रु  
मिडिमिडिः सुभनभद्रवैःकीरुका  
वेडलकलेःपसुहृम्य, पद्वेभूह  
येम्यत्रवडिसतिमडेःकुडेइफःप  
मिथेमिडिमिडुमयः १० सुगुठ  
वमलिउडिउभनयेनइकेनभममभे।  
जपदुभिभंकलंमुळमपिलम  
वरविभीषु॥ कुमिमभमममैली  
मजनमनइवयंसिकभमपिष्ट  
एयेड, सुभनमिममयमभवमेड्ड  
इभूमजिनयेनइकेनभवएनभंल  
हेल्लभुकुवेल्लमभेउवभुडिगगुव।



उतभूकरोपदुमिभमभियलंकलं  
 म्भमविमलंरुडभंठविभीधुभू  
 धुयडा कुभूधुविहृडभूधभा डडि  
 मिवंकुयडा ॥ १० ॥ डडिसूभूवहं  
 मचभूइविमविचडिः ॥ ॥ ॥  
 न्नेमविनमयविकभयदुडैरभे  
 लेविणभूयनिरंननतुयभभा मेड  
 सुकेरमिडिमभूभगीमिमभूभमभुमभु  
 गभाडीठरुविभुभउड ॥ सुडिथमभि  
 डभुडिभूनीपुनेडिठवउथंनिरुधम  
 धगनमहापुंउनेडिमउडूग ॥ डयभि  
 डिविठेःमभूठरुधंभरभेधुने विदि

229

उ.  
 सु.  
 ०१३

उललिउहाएभूठिःरुडभूएनडि  
 डेः"विमइयेधिविधमभमभुभूःम  
 भूभुभविभरलैःधुविउवकीडिःउभू  
 कुेरठिनवद्वभेमभुडःभूभेधिमभू  
 विचडिउनेमभू ॥ ॥ डडिसूभूभ  
 भूभेभूभमदसूभूभूदलरुवमद  
 विगमिडयंभूइवहंभूभमठिनवण  
 भूभमदवदधमपदधलीविगएनक  
 भूभमएनविफिडभूयभुडिभुडिवि  
 वडिगियंभमभू ॥ भंवडा १० ठवडि  
 भूभवभूधगडभूडिपहुंभमभूभीरुड  
 सुठमठवड ॥ भूभभूभूकगनय  
 भगूडुःभूकमडभडिंसडिः १०..

विम



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥

228